www.hindmatamirror.com • वर्ष: 12 • अंक: 206 • ठाणे, मंगलवार 21 अप्रैल, 2026 • पेज: 8 • मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

पेज 8

अजीत कुमार ने बेल्जियम में लहराया भारत का झंडा

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से खेलने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

पेज 8

सुप्रभात

तीखे और कड़ुए शब्द कमजोर पक्ष की निशानी है। बड़े दुखों में आत्मा को महान करने की बड़ी शक्ति है।
-विक्टर ह्यूगो

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (21 अप्रैल) 6:58 बजे, सूर्योदय (22 अप्रैल) 6:17 बजे, **तापमानः 32 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

खाली लोकल ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतरा

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

डोंबिवली स्टेशन के पास सोमवार को एक खाली लोकल ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे उपनगरीय सेवाएं प्रभावित हुईं और व्यस्त समय में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मध्य रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि चूंकि ट्रेन खाली थी, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ है। यात्रियों ने दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) को पड़ोसी जिले ठाणे और रायगढ़ से जोड़ने वाली मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर सेवाएं 20 से 30 मिनट देरी से चलने की शिकायत की है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल निला ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त डिब्बे को पटरी पर चढ़ा दिया गया है।

खाशाबा जाधव को मिलेगा पद्म विभूषण?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत के खेल इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखने वाले दिग्गज पहलवान खाशाबा दादासाहेब जाधव को मरणोपरांत पद्म विभूषण देने की मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट की कोल्हापुर खंडपीठ ने केंद्र सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह आगामी 4 मई तक इस संबंध में अपना अंतिम फैसला सुनाए। न्यायमूर्ति माधव जामदार और न्यायमूर्ति प्रवीण पाटिल की पीठ ने आदेश में रेखांकित किया कि इस तथ्य पर कोई विवाद नहीं है कि महाराष्ट्र के रहने वाले दिग्गज पहलवान खाशाबा जाधव ही स्वतंत्र भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक पदक विजेता थे।

साजिश के तहत उतारे गए उम्मीदवार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

हाई-प्रोफाइल सीटों में शुमार बारामती विधानसभा सीट पर होने जा रहा उपचुनाव एक बार फिर देश भर की सुर्खियों में है। एनसीपी के युवा नेता और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के पुत्र पार्थ पवार ने इस चुनाव को लेकर एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि बारामती की गरिमा और परंपरा को देखते हुए यह चुनाव निर्विरोध संपन्न होना चाहिए था, लेकिन कुछ राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने जानबूझकर अपने स्वार्थ के लिए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। पार्थ पवार ने कहा कि बारामती की जनता और कई वरिष्ठ नेताओं की यह मंशा थी कि उपचुनाव में समय और संसाधनों की बर्बादी न की जाए।

छोटी मछली गिरफ्तार शार्क अभी भी बाहर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार विमान दुर्घटना मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने सीबीआई द्वारा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक उप निदेशक की गिरफ्तारी के बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर तीखा हमला बोला है। रोहित पवार का दावा है कि गिरफ्तार किया गया अधिकारी केवल एक छोटी मछली है, जबकि असली शार्क यानी बड़े भ्रष्ट अधिकारी और बिचौलिए अब भी आजाद घूम रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि डीजीसीए के भीतर भ्रष्टाचार का एक गहरा जाल फैला हुआ है, जिसका सीधा असर विमान सुरक्षा पर पड़ रहा है।

नशेड़ियों का हब बनता औद्योगिक नगर... बेखौफ जहर बांटते नशे के सौदागर!

उड़ता उल्हासनगर!

■ मुंबई पुलिस आकर आरोपी को ले गई, स्थानीय पुलिस वसूली के तकिए पर सोई रही!

हिंदमाता नेटवर्क @ उल्हासनगर

दोस्तों कुछ साल पहले शाहिद कपूर की एक हिंदी फिल्म 'उड़ता पंजाब' आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। वैसे कुछ साल से हिंदमाता उल्हासनगर, खासकर उल्हासनगर के कुछ स्मगलर्स गैंग्स के विरुद्ध बेधड़क लिख रहा है। हमने पहले कई बार उल्हासनगर में हो रहे गोल्ड और ड्रग्स की तस्करी के कई मामलों का खुलासा किया। जिससे कस्टम और पुलिस के कई अधिकारियों ने समय-समय पर हमारी जानकारी और हमारी प्रकाशित खबरों को गंभीरता से लेकर कई गोल्ड और ड्रग्स स्मगलर्स गैंग्स के गुर्गों को समय-समय पर पकड़ा। जिससे कुछ गैंग खत्म हो गए, कुछ चोरी चुपके अपना नाम बदलकर अपने गैंग्स के ग्रुप के मेंबर को आगे कर, उनका नाम चेंज कर फर्जी नाम से ऐसे काम को अंजाम देने में लगे हुए हैं।

हिंदमाता ब्रेकिंग

जंग की आपदा में जहर बेचने का अवसर

हाल ही में ईरान युद्ध के चलते दुबई को ऐतिहासिक नुकसान हुआ है। जिससे वर्ल्ड के ट्रेंडिंग हब में टॉप पर चलने वाला दुबई, यूएई का बिजनेस कई साल पीछे चला गया है। इसी वजह से दुबई से जो सोना स्मगलिंग कर भारत में लाया जाता था वो आज महंगे टिकट और महंगे हवाला के चलते लगभग बंद होता जा रहा है। अब तस्करी गिरोहों ने सोना छोड़ 'काला सोना' यानी ड्रग का धंधा अपना लिया है। मसलन,कम निवेश कर थाईलैंड के कई शहरों से हरा पत्तियोंवाला ताजा गांजा, जिसको अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वीड कहा जाता है, जो थाईलैंड की हर गली गली में 50 से 80 हजार किलो में मिल जाता है। भारत में उनको कहीं 4 तो कहीं 6 लाख में बेचा जाता है। जिससे कई लाखों का फायदा उन्हें एक दिन में हो जाता है।

विदेशों से माल मंगा रहे उल्हासनगर के सौदागर

ऐसे ही उल्हासनगर के कई गैंग्स अपने कैरियर को 30 से 50 हजार देकर बैंकॉक से 3 से 8 किलोग्राम का बैग बनाकर मंगाते हैं। जिसके चलते 3 से 5 लाख रुपए का निवेश कर नशे के ये सौदागर करीब 20 लाख रुपए की कमाई कर लेते हैं। ये गैंग जहां गोल्ड के उछाल मारते इंटरनेशनल मार्केट के चलते डेढ़ से दो करोड़ रुपए का निवेश कर जोखिम उठाने से अच्छा 4/5 लाख का निवेश कर लोगो से गांजा बाहर से मंगा कर अपना जेब भरकर और लोगो की जिंदगी से खेल रहे हैं।

ड्रग तस्करों के शिकंजे में फंसे शहर के सैंकड़ों युवा

ऐसे ही कई मामले हमने पहले भी उजागर किए हैं। लोगो को साफ साफ इशारा दिया पर युवा पीढ़ी कुछ पैसों के लिए इसे धंधा बना कर, दूसरों को नशा बेचकर, लोगों की जिंदगी से खेलने में नहीं हिचक रही हैं। ऐसे में कई कैरियर आज भी भारत की कई जेलों में सड़ रहे हैं। उन कैरियर को बाहर निकालने वाला या उन्हें पूछनेवाला तक कोई नहीं रहता। इन गैंग्स के जो सरगना हैं वे सब फर्जी नंबर से, फर्जी नाम से ऐसे भोलेभाले लोगों को लालच देकर इनको रूबरू मिले बिना बाहर भेजकर गांजा तस्करी करवाकर उनको फंसने पर उनके हाल पर छोड़ देते हैं। बेचारे गरीब कैरियर का परिवार अपना घरबार बेच कर, खुद का सोना बेच कर अपने बच्चों को छुड़ाने के लिए कोर्ट-कचहरी में भटकते रहते हैं। ऐसे ही उल्हासनगर के कई बच्चे गुजरात के अहमदाबाद, दक्षिण भारत के हैदराबाद, चेन्नई; एमपी के इंदौर, महाराष्ट्र के मुंबई की कई जेलों में सड़ रहे हैं। उनको पूछने वाला, बाहर निकालनेवाला कोई नहीं होता। क्योंकि गैंग के सरगना खुद को पीछे रखकर, एजेंट को आगे कर, उनको भी प्रति कैरियर 20-30 हजार रुपए का कमीशन देकर काम चालू रखे हुए हैं।

सारी उम्मीदें ध्वस्त, लगा तस्करी का कलंक

पुलिस या कस्टम जब पकड़ेगी भी तो कैरियर या उनके एजेंट का ही नाम सामने आएगा, सरगना को कोई जानता तक नहीं। एजेंट भी कोई एक दो महीने इधर-उधर हो जाता है। फिर वही काम चालू हो जाता है। आज भी उल्हासनगर के 40-50 से ज्यादा लड़के-लड़कियों को बैंकॉक भेजकर उनसे ये काम करवाया जाता है। यहां तक कि 25 से ज्यादा लोग उल्हासनगर के कई एयरपोर्ट पर पकड़े गए हैं। कुछ जेल में हैं, तो कुछ जमानत करवाकर दो-तीन महीने बाद बाहर निकले हैं। वो भी अपने ऊपर जिंदगी भर के लिए स्मगलिंग का काला दाग लगा कर।

जांच में कई सनसनीखेज खुलासे

हमने जो भी लिखा नए पाठकों के लिए जरूर कुछ नया होगा। कुछ समझ रहे होंगे, कुछ सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है? आपसे सबको अब सरल भाषा में हालिया उदाहरण देना हो, तो मुंबई केउपनगर गोरेगांव के नेस्को परिसर में एक कॉन्सर्ट में ड्रग ओवरडोज के चलते दो छात्रों की मौत हो गई थी, जबकि कुछ अभी भी अपना इलाज करवा रहे हैं। जब पुलिस ने गहन पड़ताल की तो पता चला कि उक्त पार्टी में ठाणे के एक बदनाम अवी और उल्हासनगर में किसी समय यानी दो-तीन साल पहले जिसके खाने के वांदे थे उस आयुष साहित्य (आयुष अग्रवाल) का नाम सामने आया। मुंबई क्राइम ब्रांच ने आयुष को और उसके साथी को उल्हासनगर से और गोवा जाते हुए रायगढ़ जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस के सामने कहीं हैरतअंगेज बातें सामने आई हैं, जिनको पुलिस अभी सबके सामने नहीं ओपन कर रही है, क्योंकि सब बातें ओपन होने से कई लोग, इनके साथी सब अंडरग्राउंड हो जाएंगे। हमको भी इंवेस्टिगेशन में कई बातें मालूम हुई तो हमने भी मुंबई पुलिस को शेयर किया है। अब जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, पुलिस सारा सच सबके सामने लाएगी तो हम उनके और अपने इंवेस्टिगेशन की बातें आपके सामने रखेंगे।

ड्रग तस्करों पर चलेगा देवा भाऊ का हंटर!

जैसे कौन है आयुष? कहां से इस लाइन में गया? कैसे बना ठाणे- मुंबई का सबसे बड़ा पैडलर और कैसे 75 लाख की घड़ी कहां से किसकी मदद से खरीदी? कौन है उनके साथी-संगी? कौन है उनके साथ और पीछे के सफेदपोश चेहरे? कौन-सी गैंग कौन-से दलाल एजेंट को आगे करके ये काम को अंजाम दे रहे हैं? और साथ ही कौन हैं कालू, हितेश, लोट्टा गैंग्स के लोग? कैसे अहमदाबाद जेल में काट रहे हैं अपने-अपने जुर्म की सजा? क्या सजा सिर्फ कैरियर को वह मिलनी चाहिए गैंग्स के एजेंट्स और मलिक (सरगना) को नहीं? हम जल्द ही सब बातों का खुलासा आपके सामने अगले दूसरे अंक में करेंगे। मुंबई पुलिस को भी अपने हद से बाहर जाकर आम बच्चों की भावनाओं को देखते हुए ये सब काम को अंजाम देने वाले लिंक को बिना राजनीतिक दबाव के पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि आप लोगों के साथ पूरे देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों में से सबसे बड़ा और मजबूत मुख्यमंत्री देवा भाऊ खड़ा है!

विपक्ष पर बरसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

महिलाओं के अधिकारों की भ्रूणहत्या!

■ एक करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करने के लिए शुरू होगा जनसंपर्क अभियान

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने देने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनकी पिछड़ी मानसिकता ने भारत में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के एक ऐतिहासिक क्षण की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। फडणवीस ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए घोषणा की कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन अब राज्य भर की महिलाओं से एक करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करने के लिए एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू करेगा, जिसका उद्देश्य जनमत का निर्माण करना और विपक्ष के महिला विरोधी रुख को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल देश की राजनीतिक और सामाजिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने वाला था, क्योंकि विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने के वास्ते संसद में विधेयक पारित होने वाला था। फडणवीस ने विपक्षी दलों पर निर्वाचित निकायों में महिलाओं के अधिकारों की भ्रूणहत्या करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, विपक्ष ने अपनी प्रतिगामी मानसिकता के कारण महिला आरक्षण विधेयक की हत्या कर दी।

बिल पर सियासी बवाल

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा के पास दो-तिहाई बहुमत होता, तो विपक्ष ने अभी विधेयक का समर्थन किया होता, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन के पास बहुमत न होने के कारण विपक्ष ने इसे एक अवसर के रूप में देखा। लोकसभा में 17 अप्रैल को एक संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया, जिसका उद्देश्य 2029 में विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीट की संख्या में वृद्धि करना था।

महात्मा फुले की विरासत और विपक्ष का दोहरा चेहरा

मुख्यमंत्री ने इस विवाद को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले की विरासत से जोड़ते हुए विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने याद दिलाया कि यह वर्ष महात्मा फुले की 200वीं जयंती का वर्ष है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, विपक्षी दल केवल मंचों से भाषण देने के लिए फुले के नाम का उपयोग करते हैं, लेकिन जब उनके महिला सशक्तिकरण के विचारों को वास्तव में लागू करने का समय आया, तो उन्होंने उन्हीं विचारों को तिलांजलि दे दी। फडणवीस ने दावा किया कि विपक्ष का यह दोहरा चरित्र अब जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुका है।

महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा पर सुप्रिया सुले ने जताई चिंता

सीएम फडणवीस को लिखा पत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति बहुत गंभीर है। बच्चों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है। यह बहुत गंभीर मामला है और राज्य में सभी को सुरक्षित माहौल देना सरकार की जिम्मेदारी है। सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि मीडिया में रोजाना आने वाली खबरों और राज्यभर में हो रही घटनाओं को देखें तो यह साफ है कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ी है। महिलाओं के साथ मारपीट, हत्या, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, किडनैपिंग और सबसे बुरी बात, बच्चों के शोषण की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। मुंबई, पुणे, नागपुर, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक जैसे तेजी से बढ़ते शहरों के इलाकों में अपराधों की संख्या लगातार बढ़ रही है और नागरिक डर के साये में हैं।

राज्य की प्रतिष्ठा पूरे देश में खराब हो रही है

सुप्रिया सुले ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में भी लगातार हो रहे अपराधों के कारण नागरिक अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं और इसका असर लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास पर पड़ रहा है। यह बहुत गंभीर है और कानून-व्यवस्था के मामले में देश में सेक्युलर माने जाने वाले राज्य की प्रतिष्ठा पूरे देश में खराब हो रही है, जो बहुत दुख की बात है। राज्य में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए तुरंत कुछ कदम उठाने की जरूरत है।

निदा खान को राहत नहीं

प्रेग्नेंसी की दलील भी फेल, अगली सुनवाई 27 को

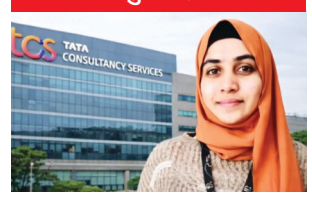

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में महिलाओं के साथ हुए कथित यौन शोषण और उत्पीड़न के मामले ने पूरे महाराष्ट्र में सनसनी फैला दी है। इस मामले की मुख्य आरोपी निदा एजाज खान की अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को नासिक सत्र न्यायालय में गरमागरम बहस हुई। हालांकि लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने निदा खान को फिलहाल कोई भी अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। नाशिक टीसीएस यौन शोषण और धर्मांतरण मामले में अदालत की कार्यवाही सुबह के सत्र में शुरू हुई, जहां दोनों पक्षों के बीच कड़े कानूनी दांव-पेंच देखने को मिले। आरोपी निदा खान की ओर से वरिष्ठ वकील राहुल कासलीवाल ने पैरवी की। बचाव पक्ष ने अदालत के सामने मुख्य रूप से दो बड़े तर्क रखे। वकील कासलीवाल ने कोर्ट को सूचित किया कि आरोपी निदा खान गर्भवती हैं। उन्होंने उनकी मेडिकल स्थिति और गर्भावस्था का हवाला देते हुए अंतरिम सुरक्षा की मांग की, ताकि उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल मिल सके। बचाव पक्ष का तर्क है कि मामले में लगाई गई एससी/एसटी एक्ट (एट्रोसिटी) की धाराएं कानूनी रूप से लागू नहीं होतीं। उनके अनुसार, ये धाराएं केवल मामले को अधिक गंभीर दिखाने के लिए जोड़ी गई हैं।

अभियोजन पक्ष का कड़ा रुख

सरकारी वकील ने जमानत याचिका का जोरदार विरोध किया। अभियोजन पक्ष का कहना है कि यह मामला एक बेहद हाई-प्रोफाइल आईटी कंपनी से जुड़ा है और इसमें शामिल महिलाओं का उत्पीड़न गंभीर प्रकृति का है। सरकारी वकील ने तर्क दिया कि यदि इस मोड़ पर आरोपी को अंतरिम राहत दी जाती है, तो वह साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ कर सकती हैं।

कोर्ट का फैसला: 27 अप्रैल तक इंतजार

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, नाशिक सत्र न्यायालय ने निदा खान की अंतरिम जमानत की अर्जी को नामंजूर कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तार से सुनवाई आवश्यक है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी, जिस पर सबकी निगाहें टिकी हैं। वकील राहुल कासलीवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा, हमने अदालत के समक्ष सभी मेडिकल और कानूनी आधार मजबूती से रखे हैं। हमें उम्मीद है कि अगली सुनवाई में तथ्यों को सही परिप्रेक्ष्य में देखा जाएगा।

भरी दोपहर मर्डरः नौ साल बाद सुपारी किलर गिरफ्तार

झारखंड से दबोचा गया मर्डर का मुख्य आरोपी राजेश मुनेशवर रविदास, ली थी दो लाख रुपए की सुपारी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मीरा रोड में 2017 में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपराध शाखा ने 9 साल से फरार मुख्य आरोपी को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी झारखंड के हजारीबाग से की गई, जहां आरोपी लंबे समय से छिपकर रह रहा था। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध शाखा प्रकोष्ठ 1 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक सुशीलकुमार शिंदे की टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दी गई। 6 अप्रैल 2017 को दोपहर करीब 2 बजे, काशिमीरा थाना क्षेत्र के मीरा गांव में अज्ञात हमलावरों ने 40 वर्षीय शामू लाहिड़ी गौड़ की उनके घर के दरवाजे पर गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में हत्या, साजिश और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था।

पैसों के विवाद से रची गई साजिश

जांच में सामने आया कि आरोपी सुनीलकुमार राजक ने 2015 में एक अन्य हत्या मामले में जमानत के लिए मृतक से 5 लाख रुपए उधार लिए थे। जब मृतक बार-बार पैसे वापस मांगने लगा, तो उसने हत्या की साजिश रची। इसके लिए उसने राजेश मुनेश्वर रविदास को 2 लाख रुपए की सुपारी दी। सुपारी लेने के बाद राजेश अपने साथियों के साथ झारखंड से मीरा रोड आया, इलाके की रेकी की और फिर वारदात को अंजाम दिया।

दुश्मन देश से हमले की पूरी संभावना!

भेंडवाल की सनसनीखेज भविष्यवाणी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बुलढाणा जिले के भेंडवाल में अक्षय तृतीया के अवसर पर हर साल होने वाली पारंपरिक घटमंडानी भविष्यवाणी इस बार भी चर्चा में है। करीब 370 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा के तहत इस साल देश की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण संकेत दिए गए हैं। भविष्यवाणी के अनुसार, देश में मौजूदा नेतृत्व बना रहेगा और सत्ता में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। भविष्यवाणी में संकेत दिए गए हैं कि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति संवेदनशील बनी रह सकती है और दुश्मन देश से हमले की संभावना जताई गई है। साथ ही, रक्षा तंत्र पर दबाव बढ़ने और सतर्क रहने की जरूरत बताई गई है। भविष्यवाणी में आर्थिक मोर्चे पर भी चुनौतियों का जिक्र किया गया है।

हिंदमाता एंकरः संजय राऊत ने संस्थाओं की साख पर उठाए सवाल, गुजरात मॉडल पर कसा तंज

चुनाव आयोग यानी बीजेपी का हेड ऑफिस?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुख्यमंत्री को विपक्ष का निषेध करने के बजाय खुद का निषेध करना चाहिए। राऊत ने याद दिलाया कि 2023 में जब यह कानून सर्वसम्मति से पारित हुआ था और राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर किए थे, तब फडणवीस ने इसका श्रेय लिया था। अब विधेयक के गिरने पर राऊत ने उनसे माफी की मांग करते हुए कहा, इन लोगों को झूठ बोलने की राष्ट्रीय बीमारी हो गई है।

उड़ता महाराष्ट्र और ड्रग्स का बढ़ता जाल

महाराष्ट्र में नशीले पदार्थों की बढ़ती तस्करी पर चिंता जताते हुए राउत ने मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में मुंबई और महाराष्ट्र की स्थिति 'उड़ता पंजाब' जैसी हो गई है। हमारी राजधानी अब 'ड्रग्स कैपिटल' बन चुकी है। उन्होंने सरकार के 'नारी वंदन' कार्यक्रम पर तंज कसते हुए कहा कि अगर आप वास्तव में माताओं-बहनों का भला चाहते हैं, तो बर्बाद हो रही युवा पीढ़ी को ड्रग्स से बचाएं और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें।

आयोग बीजेपी का पदाधिकारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर आचारसंहिता उल्लंघन के आरोपों के बीच राऊत ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बड़े सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयोग को बीजेपी का हस्तक (कठपुतली) करार देते हुए कहा कि हमें चुनाव आयोग से कोई उम्मीद नहीं है। चुनाव आयोग यानी बीजेपी का पदाधिकारी। यह संस्था संविधान और लोकतंत्र को फांसी पर लटका रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त और आयोग के अन्य सदस्यों की निष्पक्षता को संदिग्ध बताया।

झूठ बोलना अब सरकारी नीति

संजय राऊत ने सरकार के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री तक, सभी केवल झूठ का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर जो मिस कॉल अभियान चलाया गया, वह केवल जनता को गुमराह करने का एक तरीका था।

गुजरात मॉडल पर किया प्रहार

सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर उमड़ी प्रवासी मजदूरों की भारी भीड़ और वहां हुए पुलिसिया लाठीचार्ज को लेकर राजनीति गरमा गई है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और गुजरात प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। राऊत ने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें गुजरात के मौजूदा मुख्यमंत्री का नाम तक नहीं पता, क्योंकि आज भी वहां की सत्ता की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर गुजरात मॉडल इतना ही सफल है, तो वहां लोग पलायन करने को क्यों मजबूर हैं? बता दें कि रविवार (19 अप्रैल) को सूरत में औद्योगिक मंदी और एलपीजी संकट के बीच हजारों की संख्या में मजदूर अपने गृह राज्यों की ओर लौटने के लिए उधना रेलवे स्टेशन पर जमा हुए थे। इस दौरान मची अफरा-तफरी को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। संजय राऊत ने इसी का हवाला देते हुए कहा कि गुजरात में लोगों के पास रोजगार नहीं है और उनके घरों के चूल्हे बंद हो गए हैं।

महिला आरक्षण और देवेंद्र फडणवीस पर हमला

संजय राऊत ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी निशाने पर लिया। राऊत ने उनके सितंबर 2023 के एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र करते हुए पूछा कि अब भाजपा इस मुद्दे पर पीछे क्यों हट रही है? उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद 16 अप्रैल 2026 से महिला आरक्षण कानून पूरे देश में लागू हो चुका है। राऊत ने आरोप लगाया कि अब इस पर राजनीति करना केवल महिलाओं को गुमराह करने जैसा है।

नालासोपारा में 40 फीट गहरे कुएं में गिर गई कार

फिर भी कैसे बच गई जान

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा में एक कार के कुएं में गिरने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। सोमवार दोपहर नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि दमकल विभाग के जवानों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया, जिससे कार में सवार दोनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार सवार लोगों को कुएं के अंदर से रेस्क्यू करते हुए देखा जा सकता है।

संतोषी माता मंदिर के पास हुआ हादसा

दरअसल, यह घटना नालासोपारा पूर्व क्षेत्र के वालईपाड़ा स्थित संतोषी माता मंदिर के पास हुई। दोपहर में एक सेंट्रो कार चालक का नियंत्रण छूटने से कार अनियंत्रित हो गई और सीधे सड़क किनारे बने कुएं में जा गिरी। कार में चालक और उसका एक साथी सवार था। कार के कुएं में गिरने की तेज आवाज सुनते ही आसपास के नागरिक मदद के लिए दौड़ पड़े। पूर्व नगर सेवक सचिन देसाई ने तुरंत वसई-विरार महानगरपालिका के दमकल विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही दमकल विभाग के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और कुएं में सीढ़ी उतारी।

कार सवार लोगों को किया गया रेस्क्यू

वहीं करीब 30 से 40 फीट गहरे कुएं में फंसे दोनों लोगों को सुरक्षा बेल्ट की मदद से बाहर निकाला गया। कुएं में गिरने से दोनों घायल हो गए थे, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल गर्मी के दिनों के कारण कुएं का जलस्तर काफी नीचे था। कुएं में पानी नहीं होने से कार डूबी नहीं और बड़ा जानमाल का नुकसान टल गया, ऐसी प्रतिक्रिया स्थानीय नागरिकों ने दी है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार को कुएं के अंदर देखा जा सकता है। वहीं दमकल विभाग ने कार सवार लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला।

उल्हासनगर महानगर पालिका समितियों के अध्यक्ष निर्विरोध

• जिला कलेक्टर ने की आधिकारिक घोषणा, सभी पद बिना मुकाबले भरे

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

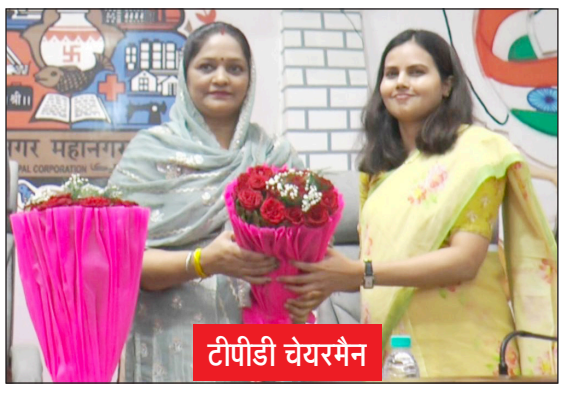

उल्हासनगर महानगरपालिका की स्थायी समिति और नौ विशेष समितियों के अध्यक्ष पदों पर निर्विरोध चुनाव की प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो गई। ठाणे जिले के कलेक्टर श्रीकृष पंचाल ने मनपा सभागृह में सभी नवनिर्वाचित सभापतियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। नामांकन दाखिल होने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया था कि सभी पदों पर केवल एक-एक उम्मीदवार होने से चुनाव बिना मतदान के संपन्न होंगे।

टीपीडी चेयरमैन

नामांकन प्रक्रिया और परिणाम

मनपा की विभिन्न समितियों के लिए नामांकन पत्र पांच दिन पहले सचिव कार्यालय में जमा किए गए थे। प्रत्येक समिति के लिए केवल एक आवेदन प्राप्त होने के कारण सभी पद निर्विरोध घोषित किए गए। स्थायी समिति के अध्यक्ष पद पर शिवसेना के कलवंत सिंह सोहता चुने गए। इसके अलावा लोक निर्माण समिति में दीप्ति दुधानी, योजना एवं विकास समिति में मीना कोर अजीत सिंह लबाना, जल आपूर्ति एवं जल निकासी समिति में दीपा नारायण पंजाबी और स्वास्थ्य जांच समिति में सविता तोराने को जिम्मेदारी मिली।

अन्य समितियों के अध्यक्ष चयन

माध्यमिक एवं पूर्व-प्राथमिक शिक्षा समिति में साक्षी सर्वे, झुग्गी उन्मूलन समिति में विपुल मायकर, खेल व सांस्कृतिक समिति में प्रीति मखीजा, महिला एवं बाल कल्याण समिति में मीना सोंडे तथा राजस्व समिति में प्रेरणा मखीजानी को अध्यक्ष पद सौंपा गया। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दीं।

नेताओं की उपस्थिति और उम्मीदें

घोषणा कार्यक्रम में शिवसेना और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख नेताओं ने नवनिर्वाचित सभापतियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि निर्विरोध चुनाव से मनपा में स्थिरता आएगी। साथ ही आने वाले समय में विकास कार्यों को गति मिलने और शहर के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलने की संभावना व्यक्त की गई।

संदल जुलूस के दौरान बड़ा हादसा

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ठाणे में एक डीजे डांस कर रहे लोगों पर गिर गया। इस हादसे में 7-8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ठाणे जिले के मुंब्रा स्थित अमृत नगर इलाके में हुआ। यहां ख्वाजा फखरुद्दीन शाह बाबा के संदल जुलूस के दौरान कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जुलूस के दौरान तेज डीजे और आतिशबाजी चल रही थी, तभी अचानक डीजे पर अत्यधिक भार पड़ने से वह संतुलन खो बैठा और उसके साथ मौजूद 7 से 8 लोग नीचे गिर पड़े। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ख्वाजा फखरुद्दीन शाह बाबा के उर्स के दौरान मुंब्रा शहर में वर्षों से संदल जुलूस निकालने की परंपरा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। बताया जा रहा है कि पहले भी इस तरह के आयोजनों को लेकर मुंब्रा पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा चुकी है।

केडीएमसी की फेरीवालों पर सख्त कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण में कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने अनधिकृत फेरीवालों, हाथगाड़ियों और टपरियों के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया। प्रभाग 5-डी में सहायक आयुक्त उमेश यमगर के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई, जिसमें चक्की नाका, गावदेवी चौक, चेतना स्कूल परिसर, 100 फुटी रोड और तिसगांव नाका सहित कई स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अभियान के दौरान सड़कों और फुटपाथों पर अवैध रूप से खड़ी हाथगाड़ियों, स्टॉल और टपरियों को जेसीबी की मदद से हटाया गया। इस दौरान बिक्री का सामान भी जब्त किया गया। कार्रवाई में कुल 69 हाथगाड़ियां, 6 टपरियां और 5 लोहे के स्टैंड हटाए गए। महानगरपालिका के इस कदम से कई क्षेत्रों में यातायात सुचारु हुआ और नागरिकों में संतोष देखा गया। प्रशासन ने आगे भी ऐसे अभियान जारी रखने की चेतावनी दी है।

पालघर का सर्वांगीण विकास जरूरी

राज्यपाल ने दहाणू में स्वास्थ्य सुविधाओं का किया लोकार्पण

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को साकार करने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास और उसे मुख्यधारा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री जिष्णुदेव वर्मन ने पालघर जिले के दहाणू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। अक्षय तृतीया एवं भगवान परशुराम जयंती के शुभ अवसर पर ओसवीर्रा में वन बंधु ट्रस्ट एवं भारत विकास संगम द्वारा दुर्गम क्षेत्रों के लिए मोबाइल क्लिनिक एवं एम्बुलेंस सेवाओं का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योगायतन ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह ने की। इस कार्यक्रम में समाजसेवक रामविलास सिंह भी उपस्थित थे।

समग्र विकास योजना बनेगी

राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाएं केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहकर दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचनी चाहिए। 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया में अंतिम व्यक्ति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पालघर में 'आदर्श गांव' की संकल्पना को लागू करने के लिए समग्र विकास योजना तैयार की जाएगी। इस दौरान डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह के सामाजिक कार्यों में सहभागिता की सराहना की गई।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती

वन बंधु ट्रस्ट एवं भारत विकास संगम की पहल की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एक सराहनीय प्रयास है। इस अवसर पर भारत विकास संगम के संरक्षक संजय पटेल, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारवणे, कलेक्टर डॉ. इंदुरानी जाखड़, एसपी यतीश देशमुख, जिला परिषद के सीईओ मनोज रानाडे तथा वन बंधु ट्रस्ट के अध्यक्ष लालूलाल सोनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस की घोषणाएं

कार्यक्रम से प्रभावित होकर राज्यपाल ने 2 एम्बुलेंस देने की घोषणा की। वहीं डॉ. राजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा 1 एम्बुलेंस तथा जोधपुर से पधारे एक समाजसेवक द्वारा 1 एम्बुलेंस देने की घोषणा की गई, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती पर कुर्ला में चश्मा वितरण शिविर का आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर विंध्य सामाजिक संस्था द्वारा कुर्ला पश्चिम स्थित सुंदरबाग क्षेत्र में चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली एवं एडवोकेट कैलास आगवने के हाथों किया गया। इस अवसर पर बाबू बत्तेली, शैलेश सिंह, सिद्धार्थ लोमटे, अनिल लोंढे, अहमद शेख, संजय एल्लाड और शिवा पाणिग्रही उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन पंकज शर्मा, अखिलेश गौड़, ईश्वर चंद, अख्तर खान, अमजद शेख, लियाकत खान, प्रतीक प्रजापति और अमित बिंद द्वारा किया गया। शिविर के दौरान नागरिकों की रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) जांच भी की गई।

वसई में वाहन चोरी गिरोह पकड़ा

चोरी की गाड़ियां काटकर बेचते थे, लाखों का माल बरामद

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई में नायगांव पुलिस ने वाहन चोरी कर उन्हें स्क्रैप में बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपराध प्रकटीकरण टीम द्वारा की गई, जिसमें लाखों रुपए का माल बरामद हुआ। 4 अप्रैल 2026 को शिकायतकर्ता मुजाहिद अंसारी ने अपनी पिकअप गाड़ी कामण क्षेत्र में पार्क की थी, जो दो दिन बाद गायब मिली। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और विशेष टीमों का गठन किया।

आरोपी गिरफ्तार

तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने नाशिक के शिलापुर टोल नाका के पास एक वर्कशॉप से सदानंद अमृतकर और अवधेश उपाध्याय को हिरासत में लिया।

बरामद माल

तलाशी में 2 पिकअप वाहन, 2 स्कूटर, कई इंजन, बैटरियां, टायर और गैस कटर उपकरण सहित कुल 12.65 लाख रुपए का माल बरामद किया गया।

आगे की कार्रवाई

पूछताछ में आरोपियों ने चोरी कर वाहन काटकर बेचने की बात कबूल की है। पुलिस ने सामान जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

वीडियो बनाकर करता रहा ब्लैकमेल

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे शहर में एक आरटीआई कार्यकर्ता के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करता रहा। पुलिस के अनुसार आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी तलाश जारी है। मुंब्रा पुलिस के मुताबिक आरोपी ने जुलाई 2024 में शादी का झांसा देकर महिला को अपने जाल में फंसाया। इसके बाद वह उसे महापे और मुंब्रा के अलग-अलग स्थानों पर ले गया, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने आपत्तिजनक वीडियो भी रिकॉर्ड किए, जिन्हें बाद में ब्लैकमेल के लिए इस्तेमाल किया गया।

सरकारी दस्तावेज हासिल करने का आरोप

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता का उपयोग सरकारी कार्यालयों से संवेदनशील दस्तावेज और फाइलें हासिल करने के लिए किया। इस पहलू को देखते हुए मामले की गंभीरता और बढ़ गई है और जांच एजेंसियां हर एंगल से जांच कर रही हैं।

विरोध करने पर की मारपीट

जब पीड़िता ने आरोपी का विरोध किया, तो उसने कथित तौर पर उसके सिर पर लाठी से हमला किया और उसे लात मारी। इस घटना के बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

वसई विकास मुद्दों पर अहम बैठक

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

वसई-विरार क्षेत्र के विकास को लेकर मंत्रालय में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नितेश राणे ने की, जिसमें विधायक स्नेहा दुबे-पंडित द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें वसई में आधुनिक मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और नायगांव से घोड़बंदर तक रो-रो जल सेवा शुरू करने के प्रस्ताव शामिल रहे। बैठक में बताया गया कि वसई तालुका पारंपरिक मत्स्य व्यवसाय का प्रमुख केंद्र है, जहां हजारों परिवार इस पर निर्भर हैं। प्रस्तावित प्रशिक्षण केंद्र में आधुनिक मत्स्यपालन, हैचरी प्रबंधन, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और समुद्री सुरक्षा जैसे विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे युवाओं और महिला समूहों को रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। यातायात समस्या को देखते हुए नायगांव (जुचंद्र) से घोड़बंदर तक रो-रो सेवा शुरू करने की मांग भी रखी गई। इस पर मंत्री ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए जल्द पहल का आश्वासन दिया।

नालासोपारा में नाला रोककर खेती, 6 पर केस

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

नालासोपारा पश्चिम के शनि मंदिर म्हाडा रोड इलाके में प्राकृतिक नाले का प्रवाह रोककर सीवेज जमा करने और उस पर घास की खेती करने के मामले में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस गतिविधि से इलाके में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया था, जिससे नागरिकों में चिंता का माहौल था। मामले को मनोज पाटिल ने प्रमुखता से उठाया था। उनके लगातार प्रयासों के बाद महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने जांच कर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने नाले में मिट्टी भरकर पानी का प्रवाह रोक दिया था और जमा गंदे पानी पर घास उगाकर उसे बेच रहे थे। इससे इलाके में बदबू और मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ रही थी। प्रशासन द्वारा पहले नोटिस देने के बावजूद सुधार न होने पर सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मराठी क सख्ती बा

महाराष्ट्र क ऑटोरिक्शा यूपी में चलत बा

राकेश विश्वकर्मा @ मीरा भायंदर

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में ऑटोरिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के लिए मराठी भाषा बोलना अनिवार्य कर दिया है जिसके बाद मीरा भायंदर सहित मुंबई ठाणे पालघर वसई विरार पनवेल नई मुंबई के सैकड़ों परप्रांतीय ऑटोरिक्शा चालक टैक्सी चालक अपने मूल निवास की ओर अपने वाहनों के साथ प्रस्थान कर रहे है। एक ऑटोरिक्शा चालक ने बताया भइया यहां मराठी क सख्ती बा इसलिए महाराष्ट्र की ऑटोरिक्शा अब यूपी में चलत बा। इस ऑटोरिक्शा चालक की माने तो सैकड़ों ऑटोरिक्शा चालक अपने वाहन लेकर गांव की ओर निकल गए है अब वही उसे चलाकर गुजर बसर कर रहे है। मराठी सख्ती के बाद जहां ड्राइवर अपने वाहनों के साथ पलायन कर रहे है जिसका परिणाम यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। अधिकतर नए ऑटोरिक्शा पर बैंक का लोन है अब इन बैंक को ऑटोरिक्शा जप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार के जिलों की खाक छाननी पड़ेगी। महाराष्ट्र के शहरों में ऑटोरिक्शा और काली पीली टैक्सी चलाने वालों में सबसे अधिक संख्या परप्रांतियों की जिसमे से 90 प्रतिशत मराठी समझते तो हैं पर बोल नहीं पाते है। कई तो डर बस भाग गए कि भाषा वाद के नाम पर उनकी पिटाई ना हो जाए। तो कुछ लोग भ्रमित है कि कहीं परमिट कैंसल हो गई या उनका लायसेंस बैच कैंसल हो गया तो क्या करेंगे। पहले भी भाषावाद के चलते कई परप्रांतीय की पिटाई हो चुकी है। आंकड़ों की माने तो राज्य सरकार के इस फैसले से उन बैंक और सहकारी संस्थाओं पर असर पड़ेगा जिन्होंने लाखों रुपए बतौर कर्ज परमिट धारकों को दिए है। जो पलायन कर रहे है उनकी माने तो सीएनजी उनके गांव में मिलती है अब वही ऑटोरिक्शा चलाएंगे। सैकड़ों ऑटोचालक आरटीओ से टीपी लेकर गांव का रुख किए है तो वही अधिकतर बिना आरटीओ की इजाजत के लिए बिना ही परिवार सहित पलायन कर चुके है।

■ उत्तर भारतीय ऑटोरिक्शा चालकों की माने तो अब 50 साल की उम्र हो गई है अब भाषा शायद ही सीख पाएंगे इसलिए वे अब पलायन करने की सोच रहे है। मुंबई सहित अन्य उपनगरों में लाइफ लाइन बन चुके इन ऑटोरिक्शा चालकों में जो युवा है वो मराठी भाषा सीखने की तैयारी कर रहे पर उनका क्या जो अब सीखने की बजाय पलायन की सोच रहे है। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के आदेश के बाद क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष सभी एक सुर में मराठी बोलो नहीं तो परमिट, लायसेंस बैच कैंसल का राग अलाप रहे है। सरकार के आदेश के बाद उत्तर भारतीय नेताओं की भी बोलती बंद है कि बोले तो क्या बोले, कई नेता ऐसे है जिनको मराठी आती नहीं है। उत्तर भारतीयों के रहनुमा और ब्रांड एंबेसडर बने नेता बगले झांकते नजर आ रहे है। कई स्वयंभू उतर भारतीय नेताओं ने मराठी भाषा के नाम पर गजब का मौन साध रखा है क्यों कि उनको भय सता रहा है उनको खुद ही मराठी नहीं आती परप्रांतीय के पक्ष में बोला तो पद के लाले पड़ जाएंगे। मराठी भाषा को लेकर आक्रामक भूमिका में रही महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के नेता ऑटोरिक्शा चालकों को मराठी भाषा सिखाने की बात कह रहे है। उत्तर भारतीय मतदाताओं वाली भाजपा, कांग्रेस, शिवसेना, राकांपा ने इस मामले में चुप्पी साध कर साबित कर दिया है कि मराठी नहीं तो कारोबार नहीं। मराठी भाषा सख्ती के बाद फेरीवालों में भी असमंजस की भूमिका बनी हुई है।

ठाणे में कपड़ों की दुकान में आग किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह कपड़ों की एक दुकान में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। ठाणे के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन ताडवी ने बताया कि आग सुबह 5.40 बजे नौपाड़ा क्षेत्र में गोखले रोड पर गावदेवी मंदिर के पास स्थित एक इमारत के भूतल पर बने प्राची फैशन स्टोर में लगी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी, आपदा प्रबंधन कर्मी और बिजली वितरण कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि सुबह 8:40 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया था और प्रशीतन कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भिवंडी में रक्तदान शिविर 412 यूनिट संग्रह

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी में एक प्रेरणादायक पहल के तहत भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। फलाह आम ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक लोग रक्तदान के लिए पहुंचे। चिकित्सकीय जांच के बाद कुल 412 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस अभियान में संकल्प ब्लड बैंक, भिवंडी ब्लड बैंक और जे जे ब्लड बैंक ने अपनी सेवाएं दीं। साथ ही जमात-ए-इस्लामी हिंद, एसआईओ, जीआईओ समेत कई सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजकों के अनुसार यह शिविर पिछले 14 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस बार बढ़ती जरूरत को देखते हुए गर्मी के बावजूद इसका आयोजन किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ने की उम्मीद जताई गई है।

शॉर्ट स्टोरी

ऑनलाइन विवाह ठगी पर जागरूकता कार्यक्रम

हिंदमाता संवाददाता @ डोंबिवली

बदलते समय में ऑनलाइन विवाह संस्थाओं में बढ़ती ठगी और फर्जी पहचान के मामलों को देखते हुए 'ऑनलाइन नवरा नको गं बाई...' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 'वुई मुक्ता' मंच और स्विफ्ट डिटेक्टिव एंड इन्वेस्टिगेशन्स के संयुक्त तत्वावधान में लोकमान्य चौक स्थित शुभमंगल कार्यालय में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता प्रिया काकड़े ने महिलाओं को ऑनलाइन विवाह प्लेटफॉर्म से जुड़े खतरों और ठगी के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई फर्जी प्रोफाइल के जरिए महिलाओं को आर्थिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाया जाता है, इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है। साथ ही विवाहेतर संबंध, सोशल मीडिया के प्रभाव और सबूत जुटाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुल्हन रैंप वॉक प्रतियोगिता रहा, जिसमें युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में विभिन्न राज्यों की विवाह संस्कृति का आकर्षक प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और केरल सहित अन्य समाजों की परंपराओं को दर्शकों ने सराहा। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया और आयोजकों ने ऐसे कार्यक्रमों को महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण बताया।

सिंधुदुर्ग के बंद मंदिर फिर खुले

हिंदमाता संवाददाता @ सिंधुदुर्गनगरी

सिंधुदुर्ग जिले के वर्षों से बंद पड़े मंदिरों के द्वार अब फिर से खुलने लगे हैं। आंतरिक मतभेद, मानकरियों के बीच समन्वय की कमी और मार्गदर्शन के अभाव के कारण कई मंदिर बंद थे, जिन्हें 'महाराष्ट्र मंदिर महासंघ' के प्रयासों से पुनर्जीवित किया गया है। इस पहल से गांवों में फिर से घंटियों की आवाज गूंजने लगी है। महासंघ ने नामसत्संग, जिला स्तरीय मंदिर परिषद और प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से विवाद सुलझाने का कार्य किया। सावंतवाड़ी के घारपी गांव में 20 वर्षों से बंद मंदिर को फिर खोला गया, जबकि माडखोल में मानकरियों के बीच एकता स्थापित कर प्रबंधन सुचारू किया गया। पडवे और ओसरगांव में ट्रस्टियों ने परंपराओं की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की है। दोडामार्ग के उगाडे गांव में मंदिर प्रबंधन के तहत ड्रेस कोड लागू कर सात्विक वातावरण बनाया गया। पत्रकार वार्ता में महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यह प्रयास धार्मिक जागरूकता और संगठन शक्ति का परिणाम है, जो जिले के लिए प्रेरणादायी साबित हो रहा है।

मुंबई में पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स का भव्य आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई में आयोजित पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स इस बार भव्य और सितारों से सजी शाम के रूप में नजर आया। चरण सिंह सपरा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मनोरंजन, व्यापार और सामाजिक क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। आयोजन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में पंजाबी समुदाय की प्रतिभा और वैश्विक प्रभाव को सम्मानित करना रहा। समारोह का सबसे खास पल तब आया जब मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा को मनोरंजन जगत में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने अपनी जड़ों से जुड़े रहने को गर्व की बात बताया। कार्यक्रम में एकता कपूर, राज कुंद्रा, गीता बसरा और हर्षदीप कौर समेत कई हस्तियां मौजूद रहीं। हर्षदीप कौर की संगीतमय प्रस्तुति ने शाम को खास बना दिया। यह आयोजन पंजाब की समृद्ध संस्कृति और पहचान का उत्सव भी बन गया।

कल्याण-डोंबिवली भाजपा की नई टीम घोषित

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण में भारतीय जनता पार्टी ने जिला संगठन की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से नई टीम का गठन किया गया है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर अभिमन्यु गायकवाड़, सुभाष म्हस्के, मनोज राय, संजय मोरे, प्रदीप चौधरी, जितेंद्र भोईर, प्रेमनाथ म्हात्रे, महेश पाटिल, लक्ष्मण पाटिल और संजय अदक को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासचिव के रूप में रवि सिंह ठाकुर, निखिल चव्हाण, अभिजीत करंजुले और संदीप माली को नियुक्त किया गया है। सचिव पद पर प्रकाश भोईर सहित अन्य पदाधिकारियों को शामिल किया गया है, जबकि कोषाध्यक्ष दिनेश दुबे और कार्यालय सचिव आनंद देशपांडे बनाए गए हैं। महिला, युवा और किसान मोर्चा समेत विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की भी घोषणा कर संगठन का विस्तार किया गया है।

गैस एजेंसी पर कर्मचारियों के गंभीर आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर में एक गैस एजेंसी पर कर्मचारियों ने अतिरिक्त शुल्क वसूली का दबाव बनाने और इनकार करने पर नौकरी से निकालने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित कर्मचारियों के अनुसार, एजेंसी प्रबंधन ने गैस ग्राहकों से 500 रुपए अतिरिक्त वसूलने का दबाव बनाया, जिसे मानने से इनकार करने पर उन्हें काम से हटा दिया गया। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले 30झ40 वर्षों से कार्यरत थे और वर्तमान में 250 रुपए अतिरिक्त राशि ली जाती थी, जिसे प्रबंधन को दिया जाता था। आरोप है कि 19 अप्रैल की रात अधिकारियों ने मौखिक रूप से बर्खास्तगी का आदेश दिया। कर्मचारियों ने दावा किया है कि उनके पास बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है।

महिला सशक्तिकरण का ढोंग बंद करे भाजपा

विजय वडेट्टीवार का देवेंद्र फडणवीस और महायुति सरकार पर तीखा हमला

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला सशक्तिकरण को लेकर कड़ा प्रहार किया है। वडेट्टीवार ने फडणवीस की हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला देते हुए भाजपा की 'कथनी और करनी' में अंतर होने का आरोप लगाया।

मंच पर महिलाएं सिर्फ 'दिखावे' के लिए

विजय वडेट्टीवार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा का महिलाओं के प्रति प्रेम पूरी तरह से दिखावा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र किया जिसमें मंच पर राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री, विधान परिषद की महिला उपसभापति, राज्यसभा की महिला सांसद और भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष मौजूद थीं। वडेट्टीवार ने सवाल उठाया कि जब इतने बड़े पदों पर आसीन महिलाएं मंच पर थीं, तो केवल देवेंद्र फडणवीस ही क्यों बोल रहे थे? उन्होंने आरोप लगाया कि वहां मौजूद किसी भी महिला नेता को बोलने का अवसर नहीं दिया गया, जो यह दर्शाता है कि भाजपा में महिलाओं की उपस्थिति केवल प्रतीकात्मक या 'शो-पीस' के रूप में है।

मंत्रिमंडल में 33% आरक्षण की मांग

विजय वडेट्टीवार ने आंकड़ों का हवाला देते हुए केंद्र और राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा 'केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल 10% है, और राज्य के मंत्रिमंडल में भी महिलाओं की स्थिति वैसी ही है। यदि भारतीय जनता पार्टी की महिला सशक्तिकरण की भावना वास्तव में शुद्ध है, तो उन्हें तत्काल मंत्रिमंडल में फेरबदल करना चाहिए और महिलाओं को 33% आरक्षण देना चाहिए।'

भाजपा पर लगाया 'दोहरा मापदंड' अपनाने का आरोप

कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा महिला सशक्तिकरण के बड़े-बड़े नारे देती है और 'शक्ति' की बात करती है, लेकिन जब निर्णय लेने या प्रतिनिधित्व देने की बारी आती है, तो महिलाओं को हाशिए पर धकेल दिया जाता है। उन्होंने फडणवीस की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के 'पुरुष प्रधान' अहंकार का उदाहरण बताया। यह हमला ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र में आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है। विपक्ष लगातार बेरोजगारी, महंगाई और अब प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सत्ताधारी महायुति (भाजपा-शिवसेना-एनसीपी) को घेरने की कोशिश कर रहा है।

मुंबई लोकल ट्रेन अब पाताल में भी चलेगी!

● चर्चगेट-विरार और सीएसएमटी-कल्याण के बीच भूमिगत मार्ग बनाने की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मायानगरी की लाइफलाइन कही जाने वाली मुंबई लोकल अब एक नए अवतार में नजर आ सकती है। मुंबई उपनगरीय रेलवे की भारी भीड़ को विभाजित करने और यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए मध्य और पश्चिम रेलवे ने भूमिगत रेलवे मार्ग के विकल्प पर गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया है।

क्यों पड़ी अंडरग्राउंड ट्रैक की जरूरत?

मुंबई जैसे घने बसे शहर में अब जमीन पर नए ट्रैक बिछाने के लिए जगह की भारी किल्लत है। रेलवे के सामने सबसे बड़ी चुनौती जमीन का अधिग्रहण और अतिक्रमण हटाना है, जो न केवल खचीर्ला है बल्कि इसमें सालों का समय लग जाता है। इन्ही कारणों से कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट लंबे समय से लटके हुए हैं।

अंडरग्राउंड मार्ग से क्या होंगे फायदे?

■ **हादसों में कमी:** रेलवे ट्रैक पार करते समय होने वाली मौतों का आंकड़ा सबसे अधिक है। अंडरग्राउंड मार्ग से यह खतरा शून्य हो जाएगा।

■ **समय बचेगा:** रेलवे ट्रैक पर बाहरी हस्तक्षेप न होने से ट्रेनों के परिचालन में सटीकता आएगी।

■ **भीड़ नियंत्रण:** स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा।

इन रूटों पर टटोली जा रही है संभावना

■ पश्चिम रेलवे ने चर्चगेट से विरार के बीच भूमिगत मार्ग की व्यवहार्यता जांच के लिए रेलवे बोर्ड से अनुमति मांगी है। वहीं, मध्य रेलवे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कल्याण के बीच इसी तरह के प्रोजेक्ट पर विचार कर रही है।

■ आंकड़ों के अनुसार, चर्चगेट से डहाणू के बीच रोजाना 30 लाख और सीएसएमटी से कसारा/कर्जत के बीच 38 लाख यात्री सफर करते हैं। इतनी विशाल संख्या को संभालने के लिए अब पारंपरिक रास्तों के बजाय आधुनिक विकल्पों की तलाश अनिवार्य हो गई है।

सीएम फडणवीस ने किया ये ऐलान

■ चर्चगेट और दहानू के बीच रोजाना लगभग 30 लाख यात्री सफर करते हैं, जबकि सीएसएमटी और कसारा/कर्जत के बीच 38 लाख यात्री आते-जाते हैं। इसलिए, यह संभावना है कि यात्रियों की आवाजाही के प्रबंधन की योजना को व्यवहार्यता मूल्यांकन में शामिल किया जाएगा। मुंबई में ट्रैफिक की भीड़ की समस्या का समाधान सुझाते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तेज आवाजाही को आसान बनाने के लिए जेमीन के नीचे सुरंगों का एक नेटवर्क बनाने की योजनाओं की घोषणा की है। अगले पांच सालों में, कुल 70 किलोमीटर लंबी जमीन के नीचे सड़कें बनाने की योजना है, जिसमें एक पूर्व-पश्चिम कनेक्टर (10 किमी), एक उत्तर-दक्षिण कनेक्टर (44 किमी), और वर्ली सी-लिंक से हवाई अड्डे तक एक लिंक (16 किमी) शामिल है।

मेट्रो और बुलेट ट्रेन से प्रेरणा

■ मुंबई में पहले ही 'मेट्रो 3' (कफ परेड से आरे) का सफल संचालन हो रहा है, जो पूरी तरह भूमिगत है। इसके अलावा, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का मुंबई हिस्सा भी सुरंग से गुजरेगा, जिसकी खुदाई जल्द शुरू होने वाली है। मुंबई रेलवे विकास निगम के अध्यक्ष विलास वाडेकर के अनुसार, चर्चगेट से मुंबई सेंट्रल के बीच तकनीकी अध्ययन शुरू हो चुका है और अंतिम निर्णय केंद्र व राज्य सरकार की सहमति के बाद लिया जाएगा।

मुंबई भाजपा में 'फंड पक्षपात' पर घमासान!

अमित साटम ने लिखी चिट्ठी, 'सभी पार्षदों को मिले समान पैसा'

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई नगर निगम में फंड के वितरण को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा मुंबई अध्यक्ष और विधायक अमित साटम के निर्वाचन क्षेत्र (अंधेरी पश्चिम) में नगरसेवकों को आवंटित की गई अतिरिक्त धनराशि अब पार्टी के भीतर ही विवाद का कारण बन गई है। चर्चा थी कि साटम के निर्वाचन क्षेत्र में चयनात्मक तरीके से बड़ी राशि वितरित की जा रही थी, जिससे भाजपा के अन्य नगरसेवकों में असंतोष फैल रहा था। इस विवाद पर विराम लगाने और 'पारदर्शिता' का संदेश देने के लिए स्वयं अमित साटम ने मोर्चा संभाला है। अमित साटम ने बीएमसी की स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे को एक औपचारिक पत्र लिखकर मांग की है कि अंधेरी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के कुछ पार्षदों को दी गई अतिरिक्त धनराशि को तुरंत रद्द किया जाए। साटम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक धन का वितरण संतुलित, निष्पक्ष और पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने मीडिया में आई खबरों पर सफाई देते हुए बताया कि यह मामला 16 अप्रैल को ही उनके संज्ञान में आ गया था और उन्होंने तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए थे।

भाजपा के भीतर बढ़ता असंतोष

शिवसेना को बीएमसी की सत्ता से बेदखल करने के बाद भाजपा पार्षदों को उम्मीद थी कि अब विकास कार्यों के लिए धन का प्रवाह समान रूप से होगा। हालांकि, फंड आवंटन में 'सतम फैक्टर' की चर्चा ने पार्टी के भीतर दरार पैदा कर दी। कई पार्षदों का मानना था कि एकतरफा नियंत्रण के बावजूद कुछ खास चेहरों को ही प्राथमिकता दी जा रही है। साटम ने अपने पत्र में इसी 'असमानता' को दूर करने का अनुरोध किया है ताकि पार्टी की छवि को नुकसान न पहुंचे।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

अपने बयान में अमित साटम ने कहा, 'हम सार्वजनिक निधियों के वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने स्थायी समिति से अनुरोध किया है कि अंधेरी पश्चिम के बजाय इस अतिरिक्त फंड को पूरी मुंबई के सभी पार्षदों के बीच न्यायसंगत तरीके से वितरित किया जाए। अब देखना यह होगा कि स्थायी समिति साटम के इस पत्र पर क्या एक्शन लेती है और क्या इससे भाजपा के भीतर जारी 'फंड पॉलिटिक्स' शांत होती है।

क्या है 'फंड विवाद' का पूरा गणित?

■ विवाद की जड़ अंधेरी पश्चिम के कुछ खास वार्डों को आवंटित की गई भारी-भरकम राशि है। रिपोर्ट के अनुसार, वार्ड नंबर 65 से 71 के बीच भाजपा के नगरसेवकों को 6 करोड़ से लेकर 9 करोड़ रुपए तक का फंड आवंटित किया गया था।

■ वार्ड 68 (रोहन राठौड़): 9 करोड़ रुपए

■ वार्ड 65, 67, 69, 70, 71: प्रत्येक को 6 करोड़ रुपए

■ जब यह जानकारी सामने आई कि भाजपा के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के नगरसेवकों को इतनी राशि नहीं मिल रही है, तो पार्टी के भीतर ही 'पक्षपात' के आरोप लगने लगे। भाजपा के अंदरूनी हलकों में चल रही इस नाराजगी को देखते हुए साटम ने संतुलन बनाने की वकालत की है।

अब मुंबई में फकीर बाबा का घिनौना कांड

महिलाओं को बेहोश करके करता था यौन शोषण, कांदिवली से गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं के शोषण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। नाशिक के कुख्यात फर्जी तांत्रिक खरात का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के कांदिवली इलाके से एक और घिनौना कांड सामने आया है। यहां एक फर्जी 'फकीर बाबा' ने समस्याओं के समाधान का झांसा देकर एक महिला और उसकी दो जवान बेटियों को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया और फिर उनके साथ यौन उत्पीड़न जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इस फर्जी फकीर बाबा की पहचान 34 वर्षीय इरफान नियाज अहमद के रूप में हुई है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बहराइच का रहने वाला इरफान पिछले कई वर्षों से मुंबई में रहकर खुद को 'फकीर बाबा' बताता था और भोली-भाली महिलाओं को अपने जाल में फंसाता था। पुलिस जांच में पता चला है कि वह लोगों की पारिवारिक समस्याओं का फायदा उठाकर उन्हें तंत्र-मंत्र की विधियों में उलझाता था।

बेहोश कर दिया वारदात को अंजाम

घटना का खुलासा तब हुआ जब कांदिवली की एक पीड़ित महिला ने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी इरफान ने महिला को डराया था कि उसके पति की मृत्यु के पीछे उसी की गलती है और इसे सुधारने के लिए एक विशेष 'विधि' करनी होगी। इसी अनुष्ठान के बहाने आरोपी महिला के घर पहुंचा और उसने महिला व उसकी दो बेटियों को कोई नशीली चीज पिला दी। जैसे ही तीनों बेहोश हुईं, आरोपी ने युवतियों के साथ छेड़छाड़ और यौन शोषण शुरू कर दिया। होश आने पर पीड़ितों को अपनी आपबीती का अहसास हुआ और उन्होंने पुलिस का दरवाजा खटखटाया।

अशोक खरात कांड की यादें ताजा

मुंबई की इस घटना ने हाल ही में चर्चा में आए नाशिक के फर्जी तांत्रिक अशोक खरात के मामले की यादें ताजा कर दी हैं। खरात पर भी तंत्र-मंत्र की आड़ में महिलाओं के यौन शोषण और हजारों करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति बनाने के आरोप हैं, जिसकी जांच के दौरान कई बड़े राजनीतिक नेताओं के नाम भी उछले हैं। कांदिवली की इस ताजी घटना ने यह साफ कर दिया है कि समाज में 'धर्म' और 'उपाय' के नाम पर बाबाओं का यह काला साम्राज्य किस कदर फैला हुआ है।

पुलिसिया कार्रवाई और धाराएं

कांदिवली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी इरफान नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं (पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 74, 78, 123 आदि) के तहत एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और पुलिस उससे यह पूछताछ कर रही है कि क्या उसने इस तरह की वारदातों को अन्य महिलाओं के साथ भी अंजाम दिया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे ढोंगी बाबाओं के झांसे में न आएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें।

सदन में दोबारा आएगा महिला आरक्षण बिल

शिवसेना नेता का बड़ा दावा, शाइना एनसी ने विपक्ष पर साधा निशाना

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना की दिग्गज नेता शाइना एनसी ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' देश की महिलाओं के लिए एक सुनहरा अवसर था, लेकिन विपक्ष की बाधाओं के कारण इसे पारित नहीं होने दिया गया। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी आवश्यक संशोधनों के साथ इस बिल को दोबारा संसद में लाएंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस बार भी विपक्ष ने इसे स्वीकार नहीं किया, तो पूरे देश में एक बड़ा जन-आंदोलन खड़ा किया जाएगा। शाइना एनसी ने मीडिया से बातचीत करते हुए देश के ज्वलंत मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर तीखा हमला बोला।

शाइना एनसी बोलीं- विपक्ष महिला विरोधी है

शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शायना एनसी ने कहा कि विपक्ष महिला विरोधी है, विपक्ष ने महिलाओं का अपमान किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक सुनहरा मौका था, जहां हम उसे पास कर सकते थे। लेकिन हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूरी संशोधनों के साथ इस बिल को फिर से पेश करेंगे। अगर विपक्ष इसे दोबारा स्वीकार नहीं करता है, तो इसके बाद पूरे देश में एक आंदोलन शुरू हो सकता है।

यूनिफॉर्म सिविल कोड वक्त की जरूरत

यूसीसी पर अपनी बात रखते हुए शिवसेना नेता शाइना एनसी ने स्पष्ट किया कि इसका अर्थ केवल कानूनों की समानता है, न कि किसी धर्म विशेष को निशाना बनाना। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी अल्पसंख्यक समुदाय अब मान चुका है कि यूसीसी समय की मांग है। शाइना ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल केवल 'तुष्टीकरण की राजनीति' के लिए सीएए, एनआरसी और यूसीसी का विरोध कर रहे हैं।

नाशिक टीसीएस केस पर क्या बोलीं शाइना एनसी?

नाशिक टीसीएस यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण मामले पर भी शाइना एनसी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लड़कियों को ब्लैकमेल करने और अश्लील वीडियो बनाने वाले रैकेट का पर्दाफाश होने पर उन्होंने पुलिस की पीठ थपथपाई। उन्होंने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों ने 'अंडरकवर' बनकर आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। यह मामला बेहद गंभीर है और इसमें छह लोगों की गिरफ्तारी कानून व्यवस्था की मुस्तैदी को दर्शाती है।

सनातन धर्म और काशी विश्वनाथ पर दिया बड़ा बयान

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के बयानों और काशी विश्वनाथ मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना प्रवक्ता शाइना ने कहा कि सनातन धर्म शांति और एकता का प्रतीक है। उन्होंने काशी विश्वनाथ मामले में अदालती फैसले का सम्मान करते हुए उम्मीद जताई कि अयोध्या की तरह काशी में भी भक्तों को भव्यता और न्याय देखने को मिलेगा।

एसटी बस रियायत के लिए एनसीएमसी कार्ड अनिवार्य

भंडारा में 33 हजार पंजीकरण

हिंदमाता नेटवर्क @ भंडारा

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एसटी) ने बस यात्रा में दी जाने वाली विभिन्न रियायतों के लिए 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' अनिवार्य कर दिया है। इस निर्णय का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन शुरू हो चुका है और फरवरी से 14 अप्रैल तक मात्र ढाई महीनों में 33,010 यात्रियों ने इस स्मार्ट कार्ड के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें सबसे अधिक संख्या महिला सम्मान योजना के लाभार्थियों की है। पंजीकरण में तुमसर आगार जिले में पहले स्थान पर रहा है। एसटी द्वारा विद्यार्थी, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और अन्य मिलाकर लगभग 35 वर्गों को यात्रा में रियायत दी जाती है। पहले फर्जी पहचान पत्रों के इस्तेमाल की शिकायतें मिलती थीं। अब एनसीएमसी कार्ड अनिवार्य होने से वास्तविक लाभार्थियों तक ही सुविधा पहुंचेगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी।

शुल्क और सुविधाएं

स्मार्ट कार्ड के लिए 199 रुपए शुल्क निर्धारित, कार्ड खराब या पुराना होने पर 149 रुपए में नया कार्ड, न्यूनतम 100 रुपए बैलेंस अनिवार्य, रिचार्ज 50 रुपए के गुणांक में किया जा सकेगा। रिचार्ज की सुविधा बसों में ईटीआईएम मशीन, आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से उपलब्ध है। छात्रों के कार्ड सरल नंबर से जबकि वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के कार्ड आधार नंबर से जोड़े जाएंगे।

डिजिटल व्यवस्था की ओर कदम

अमृत वरिष्ठ नागरिक, स्वतंत्रता सेनानी और मान्यता प्राप्त पत्रकारों को ये कार्ड विभागीय मुख्यालय से वितरित किए जा रहे है। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं की सहायता के लिए अधिकृत एजेंट नियुक्त किए गए हैं। इस स्मार्ट कार्ड से छुट्टे पैसों की समस्या खत्म होगी और यात्रियों का समय भी बचेगा, जिससे एसटी सेवा डिजिटल और अधिक सुविधाजनक बन रही है।

मुंबई में लेंसकार्ट की शॉप पर बवाल

मुस्लिम भाजपा नेता ने दुकान में घुसकर हिंदू कर्मचारियों को लगाया तिलक

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित लेंसकार्ट के एक स्टोर में उस वक्त भारी हंगामा हो गया, जब भाजपा की अल्पसंख्यक मोर्चा नेता नाजिया इलाही खान ने वहां पहुंचकर हिंदू कर्मचारियों को जबरन तिलक लगाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नाजिया खान स्टोर के मुस्लिम मैनेजर, जिसकी पहचान मोहसिन खान के रूप में हुई है, के साथ तीखी बहस करती नजर आ रही हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि कंपनी के भीतर हिंदू कर्मचारियों को तिलक लगाने और कलावा बांधने जैसे धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल से रोका जा रहा है। वीडियो में नाजिया खान को स्टोर मैनेजर से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'यहां शरिया लागू करना है क्या?' उन्होंने दावा किया कि लेंसकार्ट के मालिक ने जानबूझकर एक खास समुदाय के व्यक्ति को स्टोर मैनेजर नियुक्त किया है ताकि हिंदू कर्मचारियों को अपनी धार्मिक पहचान और रीति-रिवाजों का पालन करने से रोका जा सके। इस दौरान नाजिया ने स्टोर में घूम-घूमकर हिंदू स्टाफ के माथे पर तिलक लगाया, जिससे कर्मचारी काफी असहज दिखाई दिए।

'हिंदू रीति-रिवाजों पर पाबंदी' का आरोप

नाजिया इलाही खान ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लेंसकार्ट प्रबंधन पर 'उम्माह' की रणनीति के तहत काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिंदू कर्मचारियों को तिलक और कलावा पहनने से हतोत्साहित किया जा रहा है, जो कि उनकी धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है। उन्होंने मांग की है कि लेंसकार्ट के मालिक और मैनेजर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इस घटना के बाद ट्विटर पर नेटिजन्स के बीच 'लेंसकार्ट' और 'वर्कप्लेस फ्रीडम' को लेकर बहस छिड़ गई है।

मैनेजर से तीखी नोकझोंक और नारेबाजी

स्टोर के भीतर हुए इस हंगामे के दौरान नाजिया खान ने मैनेजर को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने मैनेजर की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी कार्यस्थल पर एक धर्म विशेष के नियमों को दूसरों पर नहीं थोपा जा सकता। वीडियो में वे 'जय श्री राम' और अन्य धार्मिक नारे लगाती भी नजर आईं। हालांकि, स्टोर में मौजूद कर्मचारी इस स्थिति से काफी डरे हुए और चुपचाप तिलक लगवाते हुए दिखाई दिए। लेंसकार्ट विवाद पर अभी तक लेंसकार्ट की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। कंपनी की इंटरनल पॉलिसी में धार्मिक प्रतीकों को लेकर क्या दिशा-निर्देश हैं, इसे लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। दूसरी ओर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि वे वायरल वीडियो की जांच कर रहे हैं।

एनजीओ में युवतियों को जबरन नमाज और रोजा रखने पर किया मजबूर

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नाशिक में टीसीएस मामले की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि उपराजधानी नागपुर से भी धर्मांतरण और यौन शोषण का एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नागपुर के 'फिक्र फाउंडेशन' और 'यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसायटी' नामक संस्था में काम करने वाली चार युवतियों ने संस्था के संचालक रियाज काजी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवतियों का दावा है कि उन्हें न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया, बल्कि उन पर इस्लाम धर्म स्वीकार करने और इस्लामी रीतियों का पालन करने के लिए भारी दबाव बनाया गया। नागपुर के मनकापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पीड़ित युवतियों की उम्र 22 से 28 साल के बीच है। उन्होंने पुलिस को बताया कि पिछले एक साल से रियाज काजी उन्हें इस्लाम की शिक्षा देता था और उन पर नमाज पढ़ने व रोजा रखने का दबाव बनाता था। आरोपी का निर्देश था कि ऑफिस में एक-दूसरे से मिलते समय 'नमस्ते' के बजाय 'खुदा हाफिज' बोलकर अभिवादन किया जाए। जब युवतियों ने इन धार्मिक अनिवार्यताओं का विरोध किया, तो उन्हें नौकरी से निकालने और करियर बर्बाद करने की धमकियां दी गईं।

यौन शोषण और व्यक्तिगत जीवन में दखल

शिकायतकर्ता महिलाओं ने रियाज काजी पर यौन उत्पीड़न के भी बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि आरोपी उनकी निजी जिंदगी में दखल देता था और उनके मोबाइल फोन की जांच करता था। ऑफिस के भीतर एक भय का माहौल बना दिया गया था, जहां महिलाओं की गरिमा के साथ खिलवाड़ किया जाता था। युवतियों ने बताया कि वे अपनी आर्थिक मजबूरियों के कारण लंबे समय तक यह प्रताड़ना सहती रहीं, लेकिन आरोपी की बढ़ती ज्यादतियों के बाद उन्होंने पुलिस की शरण ली।

रियाज काजी गिरफ्तार, 23 अप्रैल तक पुलिस रिमांड

मामले की गंभीरता को देखते हुए मनकापुर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और आरोपी रियाज काजी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस निरीक्षक हरीश कलसेकर ने जानकारी दी कि आरोपी के खिलाफ यौन शोषण, धमकाने और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने आरोपी को 23 अप्रैल 2026 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस संवेदनशील मामले की पूरी जांच एक महिला पुलिस अधिकारी को सौंपी गई है, जो पीड़ितों के बयान दर्ज कर साक्ष्य जुटा रही हैं।

हिंदमाता एंकर: क्या छिन जाएगी रोजी-रोटी? मंत्री सरनाईक ने दी सफाई

महाराष्ट्र में रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में रिक्शा-टैक्सी-कैब चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किए जाने संबंधी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के आदेश को लेकर घमासान मचा हुआ है। परिवहन मंत्री के इस निर्णय को लेकर जहां कुछ यूनियनों ने विरोध जताया है, वहीं मुंबई एमएमआर के अधिकांश परप्रांतिय रिक्शा टैक्सी चालकों को डर है कि कहीं उनका लाइसेंस बैच न छीन लिया जाए। नया नियम महाराष्ट्र दिवस यानी 1 मई से लागू होगा। नियम के मुताबिक रिक्शा टैक्सी या कैब चालकों को राज्य की भाषा मराठी बोलना समझना आना ही चाहिए।

किसी की रोजी रोटी पर नहीं पड़ेगा असर: सरनाईक

इस मुद्दे पर मचे घमासान के बीच परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि हमारा मकसद रोजी रोटी छीनना नहीं बल्कि स्थानीय भाषा व संस्कृति को बढ़ावा देना है। परिवहन मंत्री सरनाईक ने कहा कि यह कोई नया नियम नहीं है, बल्कि 2019 का जीआर है। हर रिक्शा टैक्सी चालक को स्थानीय भाषा यानी मराठी लिखने, बोलने समझने का ज्ञान होना ही चाहिए। इस मामले में कुछ लोग वेवजह राजनीति कर रहे हैं। प्रताप सरनाईक ने कहा कि लायसेंस बैच या परमिट देते समय ही एफिडेविट के तहत चालकों को मराठी भाषा अनिवार्य की गई है। इसके बावजुद कुछ जगहों पर रिक्शा टैक्सी चालकों व ग्राहकों के बीच भाषा को लेकर विवाद के बाद निर्णय लिया गया।

मंत्री सरनाईक ने बताया मराठी अनिवार्यता का उद्देश्य

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि भाषा किसी पर लादी नहीं जा रही है। बल्कि यह निर्णय यात्रियों के साथ बेहतर संवाद एवं स्थानीय भाषा के सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। परिवहन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इससे किसी रिक्शा टैक्सी ड्राइवर को डरने की जरूरत नहीं है। यदि कोई इतने साल में मराठी भाषा समझ या साधारण बोल नहीं पाता तो उसे लायसेंस पाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिक्शा टैक्सी चालकों के लाइसेंस रद्द नहीं होगा बल्कि उन्हें एक मौका सीखने का दिया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह नियम मोटर वाहन नियमों के तहत आता है और इसकी सख्ती से पालन किया जाएगा। परिवहन मंत्री सरनाईक ने कहा कि हम बालासाहेब ठाकरे के विचारों पर चलने वाले शिवसैनिक हैं,हमारे नेता एकनाथ शिंदे स्वयं सभी के साथ हमेशा खड़े रहे हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि उनके निर्णय के बाद बीजेपी सहित अन्य दलों के लोग भी अब रिक्शा टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सिखाने के लिए बैनर लगा रहे हैं। परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि अधिकांश रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों को मराठी भाषा बोलनी समझनी आती है। सवाल सिर्फ उन्हीं का नहीं बल्कि ग्राहकों का भी है। उन्हें भी मराठी में संवाद कर रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों का उत्साहवर्धन करना चाहिए। मुंबई एमएमआर में देखा गया है कि ज्यादातर मराठी मुसाफिर भी रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों से हिंदी में ही संवाद करते हैं।

परिवहन विभाग का अभियान

मराठी भाषा अनिवार्यता पर परिवहन विभाग के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसमें चालकों की मराठी भाषा की जांच की हो रही है। बताया गया कि मीरा भायंदर में शुरू किए गए इस अभियान में लगभग 3 हजार रिक्शा टैक्सी चालकों की जांच की गई। उनमें लगभग 280 रिक्शा चालक ऐसे मिले जिन्हें मराठी बोलने समझने में कठिनाई हो रही थी।

ऑटोरिक्शा चालक यूनियन ने किया विरोध

उधर इस फैसले पर महाराष्ट्र ऑटोरिक्शा चालक-मालक संघटना संयुक्त कृती समिती ने विरोध जताया है। संगठन के अध्यक्ष शशांक राव का कहना है कि इससे भाषा विवाद बढ़ेगा। उन्होंने इस मामले में सरकार व परिवहन मंत्री से पुनर्विचार की मांग करते हुए कहा कि भाषा को लेकर अब तक कोई समस्या नहीं आई है। यूनियनों का कहना है कि चालकों को पर्याप्त समय और प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए, ताकि वे बिना किसी परेशानी के इस नियम का पालन कर सकें। लेकिन अचानक सख्ती और लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी से डर और चिंता का माहौल बना हुआ है।

विचार प्रवाह

जब एक मंथरा और एक शकुनी, राम और युद्धिष्ठिर जैसे महापुरुषों को सत्ता से बाहर कर सकते हैं तो हमारे खिलाफ तो कितने शकुनी और कितनी मंथराएं सक्रिय हैं।

– सुषमा स्वराज

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विस्तार ने दुनिया को नई दिशा दी है, लेकिन इसके साथ ही कई गंभीर सवाल भी खड़े किए हैं। समाज के बुद्धिजीवी, आध्यात्मिक और सामाजिक चिंतक लंबे समय से इस बात को लेकर चिंतित रहे हैं कि कहीं तकनीकी प्रगति के बीच मानवीय मूल्यों का क्षरण न हो जाए। हाल ही में पोप लियो 14 की टिप्पणी ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट आशंका जताई कि एआई वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा दे सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब दुनिया एआई को नवाचार और सुविधा के प्रतीक के रूप में देख रही है। दरअसल, यह मान लेना गलत होगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वभाव से बुरी है, लेकिन यह पूरी तरह तटस्थ भी नहीं है। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि इसे किस उद्देश्य से और किस ढंग से विकसित व उपयोग किया जाता है। सरकारों और संस्थानों की नीतियां इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यदि नैतिकता और जिम्मेदारी को दरकिनार कर दिया गया, तो यही तकनीक समाज के लिए खतरा बन सकती है। हाल के वर्षों में एआई के दुरुपयोग के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने इन आशंकाओं को सही साबित किया है। विभिन्न देशों के चुनावों में डीपफेक तकनीक और क्लोन की गई आवाजों का इस्तेमाल कर मतदाताओं को भ्रमित किया गया। झूठी सूचनाओं के प्रसार ने लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लोगों का भरोसा कमजोर किया है। यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करती है। साइबर अपराध के क्षेत्र में भी एआई ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अब ठग अत्याधुनिक तकनीकों की मदद से किसी व्यक्ति की आवाज की नकल कर परिवार या अधिकारियों के रूप में लोगों को धोखा दे रहे हैं। परिणामस्वरूप, लाखों लोग अपनी जीवन भर की कमाई गंवा चुके हैं। पहले जिन अपराधों के लिए विशेष तकनीकी कौशल और संसाधनों की जरूरत होती थी, अब वे आसानी से और बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। एआई का खतरा केवल सूचना और साइबर अपराध तक सीमित नहीं है। उन्नत तकनीकों के जरिए वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। यदि एआई का दुरुपयोग हुआ, तो यह बैंकिंग नेटवर्क की कमजोरियों का फायदा उठाकर बड़े स्तर पर धोखाधड़ी को अंजाम दे सकता है। ऐसे हमलों को पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण होगा, जिससे आर्थिक अस्थिरता और वित्तीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा, एआई का पर्यावरणीय प्रभाव भी चिंता का विषय है। इसके विस्तार के लिए बड़े डेटा केंद्रों की आवश्यकता होती है, जो भारी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं। साथ ही कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरण और मानव जीवन पर अतिरिक्त दबाव डालती है। इस प्रकार, तकनीकी विकास की कीमत प्रकृति और समाज दोनों को चुकानी पड़ रही है। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद एआई को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता के क्षेत्र में इसकी संभावनाएं अपार हैं। यह जीवन को आसान और अधिक कुशल बना सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, कंपनियों के कामकाज में पारदर्शिता लाई जाए और सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ किया जाए। अंततः, यह स्पष्ट है कि तकनीक का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तभी लाभकारी सिद्ध होगी, जब इसका उपयोग जिम्मेदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। साथ ही, नागरिकों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे तकनीक के लाभ और जोखिम दोनों को समझ सकें। मानव हित को सर्वोपरि रखते हुए ही एआई के भविष्य को सुरक्षित और संतुलित बनाया जा सकता है।

आज का इतिहास

■ 1977 - मेजर जनरल जियाउर्रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति नियुक्त।

■ 2001 - बांग्लादेश में भारतीय जवानों की नृशंस हत्या पर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

■ 2002 - एलटीटीई से प्रतिबंध नहीं हटाने का संयुक्त राज्य अमेरिका का फैसला।

■ 2003 - भारत में अमेरिकी राजदूत राबर्ट ब्लैकविल ने अपने पद से इस्तीफा दिया।

■ 2004 - बसरा में मिसाइल हमले में 68 लोगों की मृत्यु।

■ 2006 - नेपाल नरेश ने चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की घोषणा की।

■ 2007 - ब्रायन लारा ने एक दिवसीय क्रिकेट से सन्यास लिया।

■ 2008 -उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमत्री सचिवालय में फेरबदल करते हुए नेतराम को मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव बनाया। हीरो होण्डा ग्रुप ने डेमलर एजी के साथ वाणिज्यिक वाहन बनाने के लिए संयुक्त उद्यम गठित किया। भारत व ब्रिटेन की नौसेनाओं के बीच तीसरा साझा अभ्यास गोवा के निकट कोंकण में शुरू हुआ। भारत व चीन ने आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए चार समझौतों पर हस्ताक्षर हेतु अपनी सहमति व्यक्त की।

■ 1891 - जेम्स ब्रेड टेलर, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रथम उप-गवर्नर और ओसबोर्न स्मिथ के बाद दूसरे गवर्नर थे।

■ 1944 - एन. गोपालस्वामी - भारत के 15वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे।

■ 1924 - कर्णी सिंह - भारत के पहले निशानेबाज थे, जिन्हें 1961 में 'अर्जुन पुरस्कार' देकर सम्मानित किया गया था।

■ 1926 - महारानी एलिजाबेथ द्वितीय - 6 फरवरी, 1952 से वर्ष 2022 में अपनी मृत्यु तक यूनाइटेड किंगडम और अन्य राष्ट्रमंडल प्रजाभूमियों की महारानी थीं।

■ 1910 - सदाशिव त्रिपाठी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ और उड़ीसा के 5वें मुख्यमंत्री थे।

■ 1895 - गबर सिंह नेगी - प्रथम विश्वयुद्ध में मरणोपरान्त 'विक्टोरिया क्रास' पाने वाले भारतीय सैनिक थे।

■ 1864 - मैक्स वेबर - प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक एवं इतिहासकार।

■ 1938 - मोहम्मद इकबाल, सुप्रसिद्ध कवि एवं शायर

■ 2013 - शकुंतला देवी, मानसिक परिकलित्र (गणितज्ञ)

■ 2015 - जानकी बल्लभ पटनायक - भारतीय राजनीतिज्ञ एवं राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे।

■ 2021 - शंख घोष - प्रसिद्ध बांग्ला कवि, आलोचक एवं शिक्षाविद थे।

■ 2021 - मौलाना वहीदुद्दीन खान-विख्यात इस्लामिक विद्वान और शांति कार्यकर्ता थे।

महिला आरक्षण पर सियासत या सच्ची नीयत?

अधूरी अमलदारी पर सवाल, तीन साल पुराना वादा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

जिस विधेयक का कानून में रूपांतरण हो चुका है, लेकिन जिसकी अमलदारी के आदेश तक जारी नहीं हुए, उसमें संशोधन कैसे किया जा सकता है—यह बुनियादी प्रश्न है। हैरानी की बात यह है कि सत्ता पक्ष में मौजूद अनुभवी विधिज्ञों और बुद्धिजीवियों को यह सवाल क्यों नहीं सूझा। पिछले सप्ताह हुए दो दिवसीय विशेष अधिवेशन को देखकर सामान्य नागरिक के मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है। अधिवेशन का उद्देश्य 'नारी शक्ति वंदन' बताया गया, लेकिन यह भूल गया कि यही वंदन तीन वर्ष पहले भी किया जा चुका है। सितंबर 2023 में महिला आरक्षण विधेयक सर्वसम्मति से पारित हुआ था और प्रधानमंत्री ने स्वयं घोषणा की थी कि 2026 की जनगणना के बाद इसे लागू किया जाएगा। ऐसे में केवल तीन वर्षों के भीतर फिर से 'नारी वंदन' का आयोजन क्यों? जब पहले की घोषणा अभी तक जमीन पर नहीं उतरी, तो नए विधेयक की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है जब पुराने कानून की अधिसूचना तक जारी नहीं की गई थी।

विपक्ष की याद दिलाने की भूमिका

स्थिति यह रही कि सत्ता पक्ष को यह भूल याद दिलाने का काम विपक्ष के एक नेता को करना पड़ा। जिस कानून की अमलदारी ही शुरू नहीं हुई थी, उसमें संशोधन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही थी। यदि समय रहते यह मुद्दा नहीं उठाया जाता, तो संसद में एक असंभव-सी प्रक्रिया पूरी कर ली जाती। यह तथ्य बताता है कि इस विशेष अधिवेशन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या था।

उद्देश्य पर उठते संदेह

सत्ता पक्ष का दावा है कि महिला आरक्षण ही इस अधिवेशन का एकमात्र उद्देश्य था। यदि ऐसा था, तो 2023 के निर्णय को लागू करने में देरी क्यों हुई? यदि नीयत साफ होती, तो केवल एक सरल विधेयक लाकर उसे पारित कराया जा सकता था। विपक्ष पहले भी इसका समर्थन कर चुका है, इसलिए सहमति में कोई बाधा नहीं थी। लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जिससे संदेह गहराता है कि असली मकसद कुछ और था।

फेरबदल की राजनीति

महिला आरक्षण के साथ-साथ मतदाता क्षेत्रों के पुनर्गठन का मुद्दा जोड़ना इस संदेह को और मजबूत करता है। यदि सरकार वास्तव में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देना चाहती थी, तो वह इसे सीधे तौर पर लागू कर सकती थी। लेकिन आरक्षण के साथ अन्य राजनीतिक बदलाव जोड़कर इसे जटिल बनाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह कदम केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित से भी प्रेरित था।

राजनीतिक चतुराई या रणनीति

ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता पक्ष ने एक ऐसा रास्ता चुना जिससे न तो उसे पुराने वादे की विफलता का सामना करना पड़े और न ही विपक्ष को पूरी तरह श्रेय लेने का मौका मिले। नारी शक्ति के नाम पर एक नया प्रस्ताव लाकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की गई। लेकिन विपक्ष ने इस रणनीति को समझ लिया और एकजुट होकर इसका विरोध किया।

विपक्ष की एकजुटता

आमतौर पर विपक्ष को विभाजित करना आसान माना जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। विपक्ष ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार की योजना को विफल कर दिया। यह सरकार के लिए अप्रत्याशित था। अधिवेशन के दौरान ही यह स्पष्ट हो गया कि सरकार ने स्थिति का सही आकलन नहीं किया था और जल्दबाजी में कदम उठाया गया।

लोकतंत्र की जीत

यह घटनाक्रम लोकतंत्र की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। विपक्ष की एकता ने यह साबित किया कि लोकतंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूत विपक्ष आवश्यक है। हालांकि अब विपक्ष को 'महिला विरोधी' बताने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह तर्क तभी स्वीकार्य होगा जब सत्ता पक्ष के अपने बयानों और व्यवहार को भी उसी कसौटी पर परखा जाए।

नारी शक्ति की वास्तविक भूमिका

यह भी एक विडंबना है कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर राजनीति हो रही है, लेकिन वास्तविक मुद्दों पर महिला नेतृत्व की स्वतंत्र आवाज दिखाई नहीं देती। यदि वास्तव में नारी शक्ति सशक्त होती, तो वह अपने ही दल को पुराने निर्णय लागू करने के लिए बाध्य करती। साथ ही, वह केवल महिला आरक्षण के मुद्दे पर ही चर्चा की मांग करती, न कि अन्य राजनीतिक एजेंडों को उसमें जोड़ने देती।

राजनीति बनाम नीतिगत सोच

सत्ता पक्ष का आरोप है कि विपक्ष ने इस मुद्दे पर राजनीति की। लेकिन जब कोई मुद्दा स्वयं राजनीतिक उद्देश्य से लाया जाता है, तो उस पर राजनीति होना स्वाभाविक है। पहले भी कई बड़े निर्णयों-जैसे जीएसटी, आधार, या अन्य योजनाओं-पर राजनीतिक बहस हुई है, इसलिए महिला आरक्षण इससे अलग नहीं है।

सहमति की आवश्यकता

कुछ मुद्दे ऐसे होते हैं, जिन्हें राजनीति से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। महिला आरक्षण ऐसा ही एक विषय है। इसके लिए सरकार को विपक्ष के साथ संवाद करना चाहिए था और जनता के बीच विश्वास पैदा करना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया, जिससे यह अवसर भी विवाद में बदल गया।

विवाद का निष्कर्ष

अंततः यह कहना उचित होगा कि जिस विधेयक को महिला सशक्तिकरण के नाम पर प्रस्तुत किया गया, वह अपने स्वरूप में ही विवादास्पद था। यदि उसमें अन्य राजनीतिक उद्देश्यों को न जोड़ा जाता, तो शायद वह सर्वसम्मति से पारित हो सकता था।

आगे की राह

अब आवश्यकता इस बात की है कि महिला आरक्षण को ईमानदारी से लागू किया जाए। इसके लिए स्पष्ट नीतियां, समयबद्ध अमल और राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है। केवल प्रतीकात्मक घोषणाओं से नारी शक्ति का सम्मान नहीं होगा, बल्कि ठोस कदम उठाने होंगे। तभी यह मुद्दा राजनीति से ऊपर उठकर वास्तविक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकेगा।

आंखनदेखी

बीजिंग, चीनः झोंगशान पार्क में खिले रंग-बिरंगे ट्यूलिप वसंत ऋतु की खूबसूरती बिखेर रहे हैं। फूलों की कतारें और उनकी मनमोहक छटा पर्यटकों को आकर्षित कर रही है, जहां लोग प्रकृति के इस रंगीन उत्सव का आनंद लेते नजर आ रहे हैं।

कट्टरपंथ, सोशल मीडिया और सुरक्षा की चुनौती

● दिल्ली पुलिस की कार्रवाई ने टाली बड़ी साजिश, लेकिन सामने आए खतरनाक रुझान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा चार युवकों की गिरफ्तारी ने एक संभावित बड़े आतंकी षड्यंत्र को उजागर कर दिया है। जांच में सामने आया कि ये युवक कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर खतरनाक एजेंडे को आगे बढ़ाने की तैयारी में थे। इनके पास से आईईडी बनाने का सामान बरामद होना इस बात का संकेत है कि यह केवल विचारों तक सीमित मामला नहीं था, बल्कि हिंसक कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाए जा चुके थे। यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई, जो सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता को दशार्ती है। अलग-अलग राज्यों से आरोपियों की गिरफ्तारी यह बताती है कि यह नेटवर्क स्थानीय नहीं, बल्कि बहु-राज्यीय स्तर पर सक्रिय था। सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़े ये युवक लंबे समय से निगरानी में थे और सही समय पर कार्रवाई कर उनकी योजना को विफल कर दिया गया।

कट्टरपंथी विचारधारा का प्रभाव

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी एक ऐसी विचारधारा से प्रभावित थे, जो हिंसा और उग्रवाद को वैध ठहराती है। वे खुद को एक बड़े तथाकथित मिशन का हिस्सा मान रहे थे और उसी दिशा में तैयारी कर रहे थे। यह मानसिकता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संगठित रूप से फैलाए जा रहे प्रचार का परिणाम है, जो युवाओं को भ्रमित कर रहा है।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू सोशल मीडिया का दुरुपयोग है। आरोपी एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर बने क्लोज्ड ग्रुप्स के जरिए न केवल एक-दूसरे से जुड़े थे, बल्कि नए युवाओं को भी इस जाल में फंसा रहे थे। इन ग्रुप्स का इस्तेमाल विचारधारा फैलाने, भर्ती करने और ब्रेनवॉश करने के लिए किया जा रहा था। डिजिटल प्लेटफॉर्म अब केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि वैचारिक युद्ध का मैदान बन चुके हैं।

आईईडी बनाने की तैयारी

सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस मॉड्यूल के सदस्य आईईडी बनाने की दिशा में सक्रिय थे। स्थानीय बाजार से जुटाए गए सामान के जरिए विस्फोटक तैयार करने की योजना बताती है कि संसाधनों की कमी इनके इरादों में बाधा नहीं बन रही थी। तकनीकी ज्ञान रखने वाले सदस्यों की भूमिका इस साजिश को और खतरनाक बनाती है।

संवेदनशील स्थलों की रेकी

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने देश के महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थलों की रेकी की थी। ऐसी गतिविधियां किसी बड़े हमले की पूर्व तैयारी का संकेत देती हैं। सोशल मीडिया पर इन स्थानों की तस्वीरें साझा करना और भड़काऊ संदेश देना इस बात को और पुष्ट करता है कि उनका उद्देश्य केवल विचार फैलाना नहीं, बल्कि उसे अमल में लाना भी था।

फंडिंग और नेटवर्किंग

इस मॉड्यूल की एक और गंभीर परत फंडिंग से जुड़ी है। आरोपियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से धन जुटाने की कोशिश की, जो इस नेटवर्क की संगठित प्रकृति को दशार्ता है। इसके साथ ही प्रशिक्षण और हथियारों की व्यवस्था के दावे यह संकेत देते हैं कि यह केवल शुरुआती स्तर का प्रयास नहीं था, बल्कि एक विस्तृत नेटवर्क की नींव रखी जा रही थी।

साधारण पृष्ठभूमि, असाधारण खतरा

गिरफ्तार किए गए युवक सामान्य सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। उनकी शिक्षा और पेशा साधारण है, लेकिन कट्टरपंथी विचारधारा ने उन्हें खतरनाक रास्ते पर धकेल दिया। यह तथ्य इस बात को रेखांकित करता है कि कट्टरपंथ किसी विशेष वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी युवा को प्रभावित कर सकता है।

व्यक्तिगत भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

हर आरोपी की भूमिका अलग-अलग थी-कोई तकनीकी सहायता दे रहा था, कोई सामान जुटा रहा था, तो कोई प्रचार और फंडिंग का काम संभाल रहा था। यह विभाजन दशार्ता है कि यह एक संगठित मॉड्यूल था, जहां हर व्यक्ति एक तय जिम्मेदारी निभा रहा था। इस तरह के नेटवर्क को पहचानना और समय रहते तोड़ना सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती है।

कानूनी कार्रवाई और जांच

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और उनसे पूछताछ जारी है। डिजिटल सबूतों के आधार पर पूरे नेटवर्क को खंगालने की कोशिश की जा रही है। यह भी जांच का विषय है कि इनके अंतरराष्ट्रीय संपर्क थे या नहीं, जो इस मामले को और गंभीर बना सकता है।

प्रेरक प्रसंग

जल ही जीवन

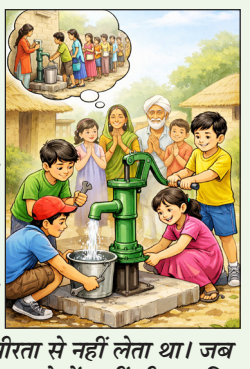

रोहित पढ़ाई में बहुत तेज था, लेकिन उसकी एक आदत सबको परेशान करती थी-पानी की बबार्दी। उसे पानी से खेलना अच्छा लगता था, पर यह खेल धीरे-धीरे लापरवाही में बदल गया था। वह अक्सर घर के नल खुले छोड़ देता, घंटों तक साइकिल धोता रहता और जरूरत से ज्यादा पानी बहाता। माता-पिता कई बार उसे समझाते कि पानी अमूल्य है, लेकिन रोहित उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता था। जब भी वह दोस्तों के साथ बाहर जाता, रास्ते में कहीं भी नल दिख जाए तो वह पानी से खेलने लग जाता। मगर खेल खत्म होते ही नल बंद करना वह जरूरी नहीं समझता। उसके लिए यह सिर्फ एक मजेदार आदत थी, लेकिन वह यह नहीं समझ पा रहा था कि उसकी यह लापरवाही कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। एक दिन रोहित अपने पिता के साथ दूसरे शहर जा रहा था। रास्ते में अचानक भारी ट्रैफिक जाम लग गया। समय बचाने के लिए उसके पिता ने गाड़ी एक दूसरी सड़क पर मोड़ दी, जो एक घनी बस्ती से होकर गुजरती थी। जैसे ही वे उस इलाके में पहुंचे, वहां की गंदगी और बदहाल स्थिति देखकर रोहित ने नाक-भौं सिकोड़ ली। तभी उसकी नजर एक जगह लगी लंबी कतार पर पड़ी। रोहित ने देखा कि एक छोटे से नल के पास लोग बाल्टियां, मटके और डिब्बे लेकर खड़े थे। सभी अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे ताकि थोड़ा-सा पानी भर सकें। यह दृश्य देखकर वह हैरान रह गया। उसके पिता ने इस मौके का फायदा उठाते हुए कहा, 'देखो बेटा, यहां पानी हर समय नहीं आता। लोग घंटों लाइन में खड़े रहते हैं, फिर भी कई बार खाली हाथ लौटना पड़ता है।

■ पिता की बात सुनकर रोहित चुप हो गया। पहली बार उसे पानी की असली कीमत समझ में आई। उसे अपनी गलतियों का एहसास होने लगा। उस दिन के बाद उसने पानी की बबार्दी बंद कर दी और दूसरों को भी इसके लिए समझाने लगा। कुछ समय बाद गर्मियों की छुट्टियां शुरू हुईं।

■ रोहित और उसके दोस्तों ने मिलकर कुछ नया करने का निर्णय लिया। रोहित ने उन्हें उस बस्ती का अनुभव बताया, जहां लोग पानी के लिए तरसते थे। उसकी बात सुनकर सभी दोस्तों ने आसपास के गांवों में सर्वे किया और ऐसे स्थानों की पहचान की, जहां पानी की समस्या थी।

■ सभी बच्चों ने मिलकर प्रयास किया और एक गांव में नया नल लगवाया। इससे वहां के लोगों को काफी राहत मिली। बच्चों का यह प्रयास सफल रहा और उनकी चर्चा पूरे क्षेत्र में होने लगी। जब स्कूल खुला, तो उनकी इस सराहनीय पहल की जानकारी प्रिंसिपल तक पहुंची। उन्होंने सभी बच्चों को बुलाकर सम्मानित किया और कहा कि छुट्टियों का सही उपयोग करके उन्होंने समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। सीख: जल ही जीवन है। इसकी एक-एक बूंद अनमोल है। हमें पानी का सदुपयोग करना चाहिए और इसे व्यर्थ बहने से बचाना चाहिए, क्योंकि आज की बचत ही आने वाले कल की सुरक्षा है।

राशिफल

मेष- प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। कार्यभार व अधिकार में वृद्धि हो सकती है। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृषभ-आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनहानि की आशंका है। व्यापार-व्यवसाय में धीमापन रह सकता है।

मिथुन- यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कर्क- भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

सिंह- नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या- कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा।

तुला-नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा।

वृश्चिक- तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। प्रमाद न करें।

धनु- कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी।

मकर- आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

कुंभ- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। धनहानि भी आशंका है।

मीन-आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे। भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी।

श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी: काशी धाम में अब भक्तों के सामन नहीं होंगे चोरी!

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा का दर्शन और गंगा में आस्था की डुबकी लगाने वालों को अब अपने सामान की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। कपड़े हों या मंहगे सामान, इन सबको सुरक्षित रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार विश्वनाथ मंदिर और घाट के आसपास 'डिजिटल लगेज लॉकर' लगवाने जा रही है। एक बयान में यह जानकारी दी गयी है। 'डिजिटल लॉकर' में मोबाइल से लेकर सूटकेस तक सुरक्षित रखा जा सकेगा।

'डिजिटल लॉकर' का होगा प्रयोग

'डिजिटल लॉकर' के इस्तमाल के लिए 'डिजटल पेमेंट' की सुविधा रहेगी। बयान में कहा गया है कि डिजिटल भारत की बानगी देखनी हो, तो इतिहास से भी प्राचीन शहर काशी में आइये। काशी में अब आपको डिजिटल लगेज लॉकर की सुविधा मिलेगी। आप वहां कीमती सामान एवं कपड़े रख कर बेफिक्र घाटों पर घूम सकेंगे और गंगा स्नान कर काशीपुराधिपति एवं अन्य मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे।

225 'डिजिटल लॉकर'की होगी सुविधा

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आस-पास और दशाश्वमेध घाट के पास भी 'डिजिटल लगेज लॉकर' की सुविधा जल्द मिलेगी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए दशाश्वमेध घाट के पास दशाश्वमेध प्लाजा, गोदौलिया, टाउन हॉल और बेनियाबाग पार्किंग में 'डिजिटल लगेज लॉकर' की व्यवस्था किये जाने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि 225 'डिजिटल लॉकर' लगाए जाएंगे जिनमे छोटे, मध्यम, बड़े और बहुत बड़े चार तरह के 'डिजिटल लॉकर' उपलब्ध होंगे।

बीजेपी ने मणिपुर को आग में झोंक दिया: राहुल गांधी

हिंदमाता नेटवर्क @ मणिपुर

मणिपुर में दो मासूम बच्चों की मौत के बाद बने तनाव वाले हालातों के बीच राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति ने एक शांतिपूर्ण राज्य को गृहयुद्ध जैसी स्थिति में धकेल दिया है। राहुल गांधी ने मणिपुर के हालातों पर दुख जताते हुए कहा कि मणिपुर जैसा शांतिपूर्ण राज्य आज जल रहा है। बीजेपी ने वहां आग लगाई है, जिसमें सैकड़ों मासूमों की जान चली गई। वहां आज भी गृहयुद्ध जैसे हालात हैं। यह बयान मणिपुर के ट्रोंगलाओबी अवांग लीकाई में उग्रवादी हमले में एक 5 साल के बच्चे और उसकी 5 महीने की बहन की दुखद मौत के बाद आया है। इस घटना के बाद मणिपुर में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं और सुरक्षा बलों को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा है।

■ तमिलनाडु विधानसभा चुनावों (23 अप्रैल) के प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने बीजेपी पर क्षेत्रीय दलों को नियंत्रित करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी दिल्ली से राज्यों को चलाना चाहती है। तमिलनाडु के लोग खुद अपनी सरकार चलाएं, हम इसमें यकीन रखते हैं। राहुल ने AIADMK को एक 'खोखली पार्टी' करार देते हुए कहा कि कभी गौरवशाली रही यह पार्टी अब बीजेपी के हाथों का खिलौना बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के डर से AIADMK के नेतृत्व ने बीजेपी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

एक भाषा, एक इतिहास का विरोध

राहुल गांधी ने बीजेपी की विचारधारा पर प्रहार करते हुए कहा कि बीजेपी चाहती है कि एक ही भाषा और एक ही परंपरा पूरे देश पर थोपी जाए, जबकि कांग्रेस हर राज्य की अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास के सम्मान की पक्षधर है।

ट्रंप के फरमान का पालन करते हुए पीएम मोदी इजराइल गए: राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फरमान का पालन करते हुए ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इजराइल का दौरा किया था। राहुल ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर अपने इस आरोप को दोहराया कि 'यदि ट्रंप उनसे कूदने के लिए कहेंगे तो पीएम मोदी ऐसा करेंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान युद्ध से पहले, अचानक मोदी को इजराइल जाने के लिए कहा गया और वह विमान में सवार हुए, वहां गए और फिर वापस आ गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि ऐसा करने का कारण सीधा था, 'एप्स्टीन फाइल और अदाणी।'

पहलगाम हमले के 1 साल बाद भी जिंदा आतंकी नेटवर्क

हिंदमाता नेटवर्क @ श्रीनगर

श्रीनगर के पहलगाम के पास बैसरन इलाके में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले को एक साल पूरा हो गया है। इस हमले में चार आर्तकियों ने 26 हिंदू पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने पहले पर्यटकों से धार्मिक पहचान बताने को कहा और फिर उन्हें निशाना बनाया। इस हमले की जिम्मेदारी The Resistance Front ने ली थी। जांच में सामने आया कि इस हमले के पीछे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से जुड़े नेटवर्क का हाथ था। TRF को पाकिस्तान आधारित Lashkar-e-Taiba का एक फ्रंट संगठन माना जाता है, जिसे जम्मू-कश्मीर में हमले करने के लिए बनाया गया था। 17 जुलाई 2025 को अमेरिका ने TRF को आधिकारिक तौर पर 'विदेशी आतंकी संगठन' घोषित कर दिया। इस कदम ने यह साफ कर दिया कि यह संगठन एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है।

रिपोर्ट ने खोली बड़ी सच्चाई

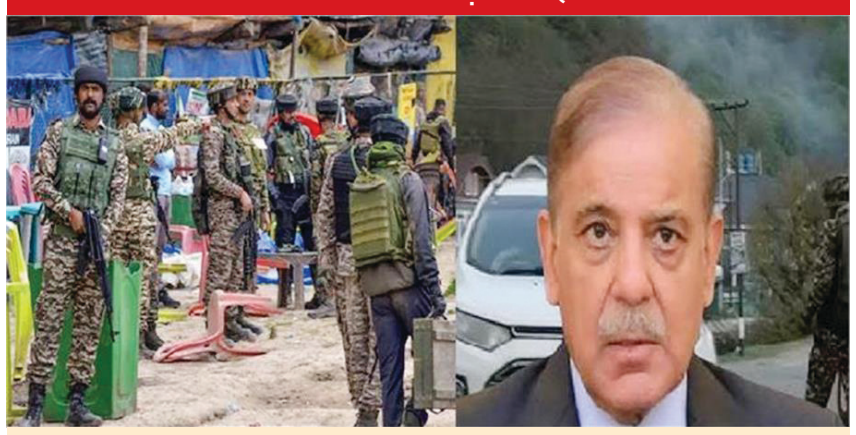

■ इसके साथ ही Jaish-e-Mohammad जैसे अन्य संगठनों की भूमिका भी सामने आई, जो लंबे समय से भारत के खिलाफ सक्रिय बताए जाते हैं। भारत ने मई 2025 में Operation Sindoor के तहत इन आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन में कई ठिकानों को नुकसान पहुंचाया गया, इससे आतंकवादी ढांचा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। अक्टूबर 2025 में बहावलपुर में Jaish-e-Mohammad ने पहली बार महिलाओं के लिए एक विंग 'जमात-उल-मोमिनात' शुरू किया। हजारों महिलाओं को ऑनलाइन कोर्स के जरिए जोड़ा गया। अलग-अलग जिलों में नेटवर्क बनाने की योजना बनाई गई। यह आतंकवाद के बदलते स्वरूप को दर्शाता है।

■ Lashkar-e-Taiba ने 'वॉटर फोर्स' नाम से एक नई यूनिट बनाई है। इसमें समुद्री हमलों की ट्रेनिंग दी जाती है। 26/11 मुंबई हमले जैसे मॉडल पर अभ्यास कराया जा रहा है। पाकिस्तान के कई शहरों और इलाकों में ट्रेनिंग चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम से हटकर नए तरीके अपना रहे हैं जिनमें मोबाइल वॉलेट (जैसे Easypaisa, JazzCash), छोटे-छोटे ऑनलाइन डोनेशन, Bitcoin AüSX Tether जैसी क्रिप्टोकरेंसी इससे फंडिंग को ट्रैक करना मुश्किल हो गया है।

■ इस नेटवर्क का असर सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका में आतंकी साजिशों में पाकिस्तानी नागरिक पकड़े गए। दक्षिण कोरिया में भी Lashkar-e-Taiba से जुड़े व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। विभिन्न देशों में इस नेटवर्क की मौजूदगी के संकेत मिले। 2026 के ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पाकिस्तान को सबसे ज्यादा प्रभावित देश बताया गया है, जहां 2025 में 1100 से ज्यादा आतंकी घटनाओं में मौतें दर्ज हुईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब सवाल यह नहीं है कि पाकिस्तान में आतंकी नेटवर्क मौजूद हैं या नहीं, बल्कि यह है कि वे लगातार कैसे बढ़ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे FATF और संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बढ़ रहा है कि वे इस पर सख्त कार्रवाई करें।

भारत-ब्रिटेन रिश्तों में नई उड़ान

पहली बार यूके पहुंचे सीडीएस अनिल चौहान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा सहयोग को नई मजबूती देने के लिए जनरल अनिल चौहान तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर ब्रिटेन पहुंचे हैं। यह किसी भारतीय चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पहला आधिकारिक यूके दौरा है, इसलिए इसे ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरे की शुरूआत 19 अप्रैल से हुई है, जहां जनरल चौहान का स्वागत ब्रिटेन के रक्षा प्रमुख Richard Knighton करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय सैन्य और कूटनीतिक बैठकें होंगी, जिनमें रक्षा सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की जाएगी।

■ बातचीत का मुख्य फोकस तीन बड़े क्षेत्रों पर रहेगा सैन्य प्रशिक्षण, ऑपरेशनल सहयोग और रक्षा उद्योग में साझेदारी। दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ाने, सेनाओं के बीच तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) मजबूत करने और आधुनिक युद्ध तकनीकों के आदान-प्रदान पर जोर देंगे। रक्षा उत्पादन में 'को-प्रोडक्शन' यानी संयुक्त रूप से हथियार और उपकरण बनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी, जिससे भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूती मिल सकती है। दौरे के दौरान जनरल चौहान Royal College of Defence Studies का भी दौरा करेंगे, जहां वे विभिन्न देशों के सैन्य अधिकारियों और छात्रों से बातचीत करेंगे।

■ यह मंच अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग और रणनीतिक सोच को समझने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। ब्रिटेन की रक्षा कंपनियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे, ताकि नई तकनीक, इनोवेशन और रक्षा उत्पादन में साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और ब्रिटेन के बीच रक्षा संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। हाल ही में ब्रिटेन के एयर चीफ Harv Smyth भारत आए थे, जिससे दोनों देशों के बीच सैन्य संपर्क और सहयोग बढ़ा है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त Lindy Cameron ने भी इस दौरे को दोनों देशों के बीच बढ़ते भरोसे और महत्वाकांक्षा का प्रतीक बताया है।

■ उन्होंने कहा कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक अहम रक्षा साझेदार है और दोनों देश मिलकर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। इस सहयोग का उद्देश्य सिर्फ सैन्य ताकत बढ़ाना ही नहीं, बल्कि नई तकनीकों के जरिए रक्षा क्षेत्र को आर्थिक विकास का इंजन बनाना भी है। कुल मिलाकर, जनरल अनिल चौहान का यह दौरा भारत-यूके रक्षा संबंधों के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे दोनों देशों के बीच न सिर्फ सैन्य सहयोग बढ़ेगा, बल्कि रक्षा उत्पादन, तकनीक और वैश्विक रणनीति में भी नई संभावनाएं खुलेंगी।

मोदी का झालमुरी खरीदना सिर्फ एक नाटक, कैमरा पहले से तैयार था: ममता बनर्जी

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अचानक 'झालमुरी' खरीदने के लिए रुकना 'नाटक' था। ममता की यह टिप्पणी मोदी के झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान बिना तय कार्यक्रम के एक जगह रुककर 'झालमुरी' खरीदने के एक दिन बाद आई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने बीरभूम जिले के मुरारई विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर कहा कि यह सब नाटक है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री पूर्व में तय कार्यक्रम के बिना अचानक रुके, उस समय वहां कैमरा कैसे मौजूद था? पूरा वाकया पहले से तय था। उन्हें जेब में 10 रुपए का नोट लिए देखा गया। क्या इस पर विश्वास किया जा सकता है?

'क्लस्टर' बम मिसाइल परीक्षण, अमेरिका-द.कोरिया को दी सीधी चुनौती

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने इस महीने दूसरी बार 'क्लस्टर' बमों से लैस बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। इसे संभवतः अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई रक्षा प्रणालियों से मुकाबला करने की उत्तर कोरिया की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दूर कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है।

■ केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी एक तटीय निगरानी क्षेत्र से पानी के ऊपर से गुजरते हुए एक प्रक्षेपास्त्र को देखते नजर आ रहे हैं। दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा ने हाल में कहा था कि किम की बेटी का नाम कथित तौर पर किम जू ऐ है और वह किम की उत्तराधिकारी बन सकती हैं। किम ने 'क्लस्टर' बम से लैस सतह से सतह पर मार करने वाली पांच उन्नत 'ह्वासोंग-11 का' बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण का निरीक्षण किया।

जयराम रमेश के बयान पर बीजेपी का पलटवार

कहा- कांग्रेस 'दलाल देश' का पक्ष ले रही है

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बीजेपी ने सरकार की विदेश नीति की आलोचना करने को लेकर सोमवार को कांग्रेस पर पलटवार किया और विपक्षी दल पर 'दलाल देश' का पक्ष लेने तथा पाकिस्तान से संबंधित अपनी टिप्पणी में 'पाखंड की पराकाष्ठा' प्रदर्शित करने का आरोप लगाया। भाजपा का यह बयान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश द्वारा 'एक्स' पर किये गए एक पोस्ट के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा था।

■ रमेश ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा था कि पाकिस्तान का सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'बहुत पसंदीदा' बन गया है जो कि भारत के लिए एक 'बड़ा झटका' है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने कूटनीतिक संपर्क की रणनीति में आमूल-चूल बदलाव करने की जरूरत है। आलोचना का जवाब देते हुए भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि पाकिस्तान की मित्र कांग्रेस द्वारा पाकिस्तान से निपटने के तरीके पर उपदेश देना पाखंड की पराकाष्ठा है। 2008 के मुंबई आतंकी हमलों पर, उस समय केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस की प्रतिक्रिया में विफलता को याद दिलाया और उससे विदेश नीति पर 'उपदेश देना' बंद करने को कहा।

जेलेंस्की का बड़ा ऐलान

भारत देगा यूक्रेन का साथ, डिफेंस डील फाइनल स्टेज में!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि भारत के साथ सुरक्षा सहयोग को लेकर एक समझौता तय हो चुका है। इस समझौते से जुड़े जरूरी दस्तावेज अभी तैयार किए जा रहे हैं। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन अपनी सुरक्षा को मजबूत करने पर लगातार ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि एयर डिफेंस, सेना को समर्थन और देश की रक्षा क्षमता बढ़ाना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और इसी दिशा में भारत के साथ यह सहयोग अहम माना जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि यूक्रेन के रक्षा मंत्री Rustem Umierov अन्य देशों के साथ भी ऐसे ही सुरक्षा समझौतों पर काम कर रहे हैं, ताकि यूक्रेन को ज्यादा सैन्य और रणनीतिक मदद मिल सके।

■ साथ ही, यूक्रेन अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ भी बातचीत कर रहा है, ताकि पहले से स्वीकृत सहायता पैकेज को जल्द लागू किया जा सके, जो अभी तक पूरी तरह शुरू नहीं हो पाया है। कुल मिलाकर, भारत और यूक्रेन के बीच यह समझौता दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करेगा और यूक्रेन की सुरक्षा क्षमता बढ़ाने में मदद कर सकता है।

असम में 17 अगस्त से घर सूचीकरण: पहली बार डिजिटल प्रक्रिया की शुरुआत

पंकज नाथ @ असम

केंद्र सरकार के निदेर्शानुसार असम में लोकसभा 2027 की घर सूचीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त से शुरू होगी। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के अनुसार, यह प्रक्रिया 17 अगस्त से 15 सितंबर तक पूरे 30 दिनों के लिए राज्यव्यापी चलेगी। पूरे भारत के साथ-साथ असम में भी यह जनगणना का कार्य पूरी तरह डिजिटल तरीके से संचालित किया जाएगा, जिसमें गणनाकारक मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए डेटा संग्रह और अपलोड करेंगे। इस जनगणना की एक खास विशेषता है निवासियों के लिए प्रदान की गई 'स्व-गणना' या 'सेल्फ एन्यूमरेशन' की सुविधा। राज्य के निवासी क्षेत्रीय सर्वेक्षण शुरू होने से पहले यानी 2 अगस्त से 16 अगस्त तक एक साप्ताहिक समयसीमा के भीतर ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी स्वयं प्रदान कर सकेंगे। यह भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, जो पहली बार आधुनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए वास्तविक समय में डेटा संग्रह और निगरानी की सुविधा प्रदान करेगा। घरेलू स्थिति और संसाधनों का सटीक आकलनप्राप्त जानकारी के अनुसार, इस घर सूचीकरण का मुख्य उद्देश्य राज्य की आवासीय स्थिति, परिवारों की सुविधाओं और संपत्तियों का सटीक डेटा संग्रह करना है। इसी संग्रहीत जानकारी के आधार पर 2027 में मुख्य जनसंख्या गणना का कार्य संपादित किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के निवेश के फलस्वरूप इस बार की जनगणना प्रक्रिया पूर्व की तुलना में अधिक तेज और सटीक होगी, जैसा कि सरकारी स्त्रोतों से पता चला है। यह डिजिटल पहल न केवल प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगी, बल्कि डेटा की गुणवत्ता में भी अभूतपूर्व सुधार लाएगी।

ईरान से लेकर UAE तक भारत ने दिखाया दम

पश्चिम एशिया संकट में 11 लाख भारतीयों की सुरक्षित वापसी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए हैं। Ministry of External Affairs (MEA) के अनुसार 28 फरवरी से अब तक करीब 11.3 लाख लोग इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। यह वापसी लगातार चल रही फ्लाइट सेवाओं और वैकल्पिक रास्तों के जरिए संभव हो पाई है। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव असीम महाजन (Aseem MÔhÔjÔ»»f) ने बताया कि जिन देशों का एयरस्पेस खुला है, वहां से नियमित या सीमित उड़ानें जारी हैं। खासकर संयुक्त अरब अमीरात (United Arab Emirates) से भारत के लिए बड़ी संख्या में फ्लाइट्स चल रही हैं और एक दिन में करीब 100 से ज्यादा उड़ानें संचालित हो रही हैं। सऊदी अरब और ओमान से भी लगातार उड़ानें आ रही हैं।

■ कतर का एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला है, इसलिए वहां से सीमित उड़ानें संचालित हो रही हैं। वहीं Bahrain से भी उड़ानें शुरू करने की तैयारी चल रही है। दूसरी तरफ कुवैत (Kuwait) का एयरस्पेस बंद होने के कारण वहां से सीधी उड़ानें संभव नहीं हैं, इसलिए सऊदी अरब के दमाम एयरपोर्ट के जरिए भारतीयों को वापस लाया जा रहा है। इरान(Iran) में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। वहां से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए भारत ने विशेष व्यवस्था की है। अब तक 2,400 से ज्यादा लोगों को ईरान से बाहर निकालकर आर्मेनिया (Armenia) और अजेरबजान (Azerbaijan) के रास्ते भारत भेजा गया है। इनमें बड़ी संख्या में छात्र और मछुआरे शामिल हैं। इजराइल (Israel) से भी भारतीयों को निकालने के लिए वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्हें जार्डन (Jordan) और मिस्र (Egypt) के जरिए भारत लाया जा रहा है, क्योंकि सीधे उड़ानों में सीमित विकल्प उपलब्ध हैं।

■ विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि एक विशेष कंट्रोल रूम 24 घंटे काम कर रहा है और सभी दूतावासों में हेल्पलाइन सक्रिय हैं। इससे भारतीय नागरिकों को तुरंत सहायता मिल रही है। खासतौर पर समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले भारतीय नाविकों की सुरक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। भारत के लिए पश्चिम एशिया बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है, क्योंकि यहां लाखों भारतीय काम करते हैं और भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा करता है। इसलिए भारत लगातार Israel, Iran और Palestine समेत सभी पक्षों से संपर्क बनाए हुए है। इस संकट के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा और वापसी को प्राथमिकता देते हुए बड़े स्तर पर सफल ऑपरेशन चलाया है, जो कूटनीतिक और मानवीय दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हिंदमाता एंकर: नेपाल की नई सरकार ने तोड़ी पुरानी परंपरा, कर्मचारियों को होगा फायदा ही फायदा !

बालेन शाह ने बदला डाला देश का सैलरी सिस्टम

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

नेपाल सरकार ने एक बड़ा और अलग फैसला लिया है, जिसके तहत अब सरकारी कर्मचारियों को हर महीने की बजाय हर 15 दिन में सैलरी दी जाएगी। नेपाल में यह पहली बार होगा जब सैलरी का भुगतान महीने में दो बार (फोर्टनाइटली) किया जाएगा। यह फैसला 17 अप्रैल को वित्त मंत्रालय स्तर पर लिया गया और इसे लागू करने के लिए संबंधित सरकारी विभागों को निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह व्यवस्था पूरी तरह से कब से लागू होगी। सरकार का मानना है कि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा।

■ अधिकारियों के अनुसार, अगर कर्मचारियों को बार-बार पैसे मिलेंगे तो वे नियमित रूप से खर्च करेंगे, जिससे बाजार में पैसा तेजी से घूमेगा और आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दुनिया के ज्यादातर देशों में, खासकर दक्षिण एशिया में, सरकारी कर्मचारियों को मासिक सैलरी ही दी जाती है। इंडिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूतान, श्रीलंका और मालदीव में अभी भी महीने में एक बार सैलरी देने की परंपरा है। हालांकि, इस नए फैसले को लागू करने में कुछ कानूनी अड़चनें आ सकती हैं। नेपाल के मौजूदा कानून के अनुसार सरकारी कर्मचारियों को हर महीने के अंत में सैलरी देने का प्रावधान है। इसलिए इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए कानून में बदलाव करना पड़ सकता है।

■ फाइनेंशियल कंट्रोलर जनरल ऑफिस के अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी रूप से सैलरी हर 15 दिन में देना संभव है, लेकिन कानूनी प्रक्रिया पूरी करना जरूरी होगा। सरकार इस पर विचार कर रही है कि अध्यादेश (Ordinance) लाकर इसे जल्दी लागू किया जाए। कुल मिलाकर, नेपाल का यह फैसला आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी जल्दी और प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है।

कल लखनऊ की सड़कों पर उतरेंगे दिग्गज

सीएम के साथ दोनों डिप्टी CM विधानसभा तक करेंगे पैदल मार्च

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिर जाने से बीजेपी में काफी आक्रोश है, यही वजह है कि पार्टी देशभर में इस मुद्दे को लेकर विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में कल यानी मंगलवार (21 अप्रैल) को उत्तर प्रदेश में बीजेपी पैदल मार्च निकालने जा रही है, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे, इनमें महिलाएं भी होंगी। जानकारी के मुताबिक राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास से शुरू होकर विधानसभा तक पैदल मार्च का आयोजन किया जाएगा। इसमेंसीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी CM केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक शामिल होंगे। इसके अलावा इस मार्च में महिला जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा कार्यकर्ता और महिला आयोग की अध्यक्ष समेत पूरी टीम शामिल होगी। बीजेपी के अनुसार आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताएं राजधानी पहुंच रही हैं। कालिदास मार्ग से निकलने वाली यह पदयात्रा महिलाओं के आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष पर हमला बोलने का प्रमुख हिस्सा है।

28 अप्रैल को वाराणसी में कार्यक्रम

बीजेपी ने पहले ही नारी शक्ति वंदन अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली थी, लेकिन विधेयक के पास न होने के बाद अब इसे दोनों तरफ से सियासी मुद्दा बना दिया गया है। बीजेपी पदाधिकारियों के मुताबिक, 21 अप्रैल की पदयात्रा के बाद 28 अप्रैल को वाराणसी में और बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें 50 हजार महिलाएं शामिल होंगी। इस कार्यक्रम के जरिए भी विपक्षी दलों को घेरने की रणनीति बनाई गई है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

बीजेपी ने विपक्ष की साजिश बताया

इधर विपक्षी दलों ने विधेयक गिरने का दोष बीजेपी पर मढ़ते हुए अपना तर्क दिया है, लेकिन बीजेपी इसे विपक्ष की साजिश बता रही है। पार्टी का कहना है कि महिला सशक्तिकरण के नाम पर विपक्ष अब सच्चाई से मुंह छिपा रहा है। यह पदयात्रा और वाराणसी कार्यक्रम बीजेपी की महिला सशक्तिकरण की छवि को और मजबूत करने के साथ-साथ आगामी चुनावी रणनीति का भी हिस्सा माना जा रहा है।

सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला को कोर्ट से बड़ा झटका

याचिका खारिज

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ आजम खान को सेशन कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बताया जा रहा है कि दो पैन कार्ड मामले में सेशन कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी है। साथ ही उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को भी सेशन कोर्ट से झटका मिला है। निचली अदालत से मिली सजा पर उनकी अपील को भी खारिज कर दिया गया। दरअसल निचली अदालत ने आजम और बेटे अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए 7-7 की सजा सुनाई थी। साथ ही दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए आजम ने सेशन कोर्ट में याचिका दायर की थी। बताया जाता है यह पूरा मामला साल 2019 का है, जो भाजपा नेता आकाश सक्सेना द्वारा दर्ज कराया गया है। आकाश का आरोप है कि अब्दुल्लाह आजम ने अलग-अलग जन्म तिथियों के आधार पर दो पैन कार्ड बनाए थे। जांच के दौरान अब्दुल्लाह के बेटे आजम खान की भूमिका भी जांच के दायरे में आई थी। इससे पहले एमपी-एमलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को इस मामले में फैसला सुनाते हुए आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने दोनों को 7-7 की सजा सुनाई थी। साथ ही दोनों पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया था।

नवंबर 2025 से जेल में बंद हैं बाप-बेटे

कोर्ट इस फैसले के बाद 25 नवंबर 2025 को आजम और अब्दुल्ला की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी। 20 अप्रैल 2026 को यह अपील भी खारिज कर दी गई है। फिलहाल आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह नंवबर 2025 से जेल में ही बंद हैं। दोनो ही रामपुर की जिला जेल में निरुद्ध है। फिलहाल दोनों को किसी भी तरह से राहत मिलने की उम्मीद भी नहीं दिख रही है।

सितंबर 2025 में जेल से हुए थे रिहा आजम

सपा नेता आजम खान सितंबर 2025 में ही जेल से रिहा हुए थे। उस दौरान उनके बयान काफी चर्चा में रहे थे। हालांकि 55 दिन बाद 18 नवंबर 2025 को अदालत के फैसले के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा। सूत्रों से पता चला है कि आजम खान के वकील अब इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय जा सकते हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही आजम और उनके बेटे की तरफ से उच्च न्यायालय में अपील की जाएगी।

शॉर्ट स्टोरी

'बिहार छोड़कर नहीं जाऊंगा, सरकार पर नजर रखूंगा, नीतीश का ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार भले ही इस्तीफा दे दिए हैं और उनके सियासी उत्तराधिकारी के तौर पर सम्राट चौधरी ताजपोशी हो गई हो, लेकिन नीतीश कुमार का मन बिहार छोड़ने का नहीं है। राज्यसभा सांसद बनने के बाद भी नीतीश कुमार बिहार में सम्राट चौधरी की अगुवाई वाली सरकार पर नजर बनाए रखने की बात कही है। नीतीश कुमार के पटना सरकारी आवास पर जेडीयू विधायक दल की बैठक हुई। पार्टी ने सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को विधायक दल का नया नेता चुनने के लिए अधिकृत कर दिया है। हालांकि, जेडीयू के किसी नेता के नाम पर मुहर नहीं लगी है? जेडीयू बैठक के बाद नीतीश कुमार ने भरोसा दिलाया कि वे पूरे बिहार का दौरा करेंगे और कार्यकर्ताओं व जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। बैठक समाप्त होने के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि पार्टी के भीतर सब कुछ सामान्य है और किसी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। इस तरह नीतीश कुमार ने सत्ता की कमान छोड़ दी हो, लेकिन अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहते हैं? बिहार में पहली बार बीजेपी का सीएम बना है और नीतीश कुमार की जगह पर सम्राट चौधरी की ताजपोशी हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जाते रहेंगे, लेकिन पटना में ज्यादा से ज्यादा समय देंगे। इस तरह नीतीश कुमार बिहार की सियासत में अपनी राजनीतिक प्रासंगिता बनाए रखने की बात कही है। जेडीयू बैठक ने यह साफ कर दिया है कि सत्ता की बागडोर भले ही सम्राट चौधरी के पास हो, लेकिन नीतीश कुमार की सियासी हैसियत अब भी 'सुप्रीम' बनी हुई है। अब वे सरकारी तंत्र से मुक्त होकर संगठन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, लेकिन सम्राट चौधरी के कामकाज भी नजर बनाकर रखेंगे। हालांकि, उन्होंने पहले ही कर दिया था कि राज्यसभा जा रहे हैं, लेकिन बिहार की राजनीति को नहीं छोड़ रहे हैं।

शादी से पहले दुल्हन से मांगी 7 लाख की रंगदारी, पुलिस तक पहुंचा मामला

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी से पहले बदनाम करने और उसे ब्लैकमेल करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।आरोपियों ने युवती की फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर उसकी अश्लील तस्वीरें शेयर कर दीं। इतना ही नहीं, मुख्य आरोपी ने युवती की होने वाली शादी तोड़ने की धमकी देते हुए 7 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि उसकी शादी को तोड़ने की नीयत से आरोपितों ने Instagram और Facebook पर उसके नाम से फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक तस्वीरें प्रसारित करनी शुरू कर दीं। इन तस्वीरों को उसके रिश्तेदारों और परिचितों को भेजकर उसे बदनाम किया जा रहा है। युवती ने आरोप लगाया है कि मुख्य आरोपी अमर कुमार ने पहले उसे जबरन बाइक से अगवा किया था और एक होटल में ले जाकर मारपीट की। इसके बाद उसके कपड़े फाड़कर अश्लील तस्वीरें खींच ली गईं। उन्हीं तस्वीरों के आधार पर आरोपी लंबे समय से उसे ब्लैकमेल कर रहा था। विरोध करने पर आरोपितों ने उससे 7 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और पैसे नहीं देने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता जूरन छपरा स्थित एक नर्सिंग होम में असिस्टेंट के रूप में कार्यरत थी। पीड़िता का आरोप है कि उसकी शादी तय होने के बाद आरोपी अमर कुमार, सुदामा सिंह, सुनील सिंह व अन्य ने मिलकर उसे बदनाम करने की साजिश रची। मामले में नगर एसडीपीओ विनीता सिन्हा ने बताया कि युवती के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस तकनीकी साक्ष्य और सोशल मीडिया आईडी की गहनता से जांच कर रही है। मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सावधान ! शादी में घुस रहा सूट-बूट वाला चोर

नोएडा में मेहमान बनकर उड़ाए 5 लाख

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

दिल्ली से सटे नोएडा में अगर आप शादी या सगाई जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं और आपके कार्यक्रम में सूट बूट पहनकर लोग पहुंच रहे है तो जरूरी नहीं है कि आने वाला हर शख्स मेहमान ही हो।ये भी हो सकता है कि बराती या शराती बनकर कोई चोर आपके मांगलिक कार्यक्रम में पहुंच गया है जो खुशियों के रंग में भंग डाल सकता है।

चलते फिरते ले उड़ा 5 लाख

उसने पहले आराम से माहौल को समझा, इधर-उधर घूमता रहा और लोगों में घुल-मिल गया, ताकि किसी को शक न हो। उसके बाद युवक की नजर एक ऐसे बैग पर पड़ी,जिसमें नगदी रखी हुई थी। बस उसे वो ले उड़ा। हैरानी की बात यह रही कि कार्यक्रम में उसने पहले मेहमानों की तरह खाना खाया और फिर बेहद शातिर तरीके से करीब 5 लाख रुपए से भरा बैग उठाकर मौके से फरार हो गया।

मेहमान बनकर सजकर पहुंचा चोर

नोएडा के सेक्टर 51 स्थित डायमंड क्रॉउन बैंक्विट हॉल में एक सगाई समारोह के दौरान ऐसा ही मामला सामने आया है। यहां ऐसा ही एक चोर 5 लाख रुपए कैश से भरा बैग उड़ाकर ले गया। मामला थाना सेक्टर 49 क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक रविवार दोपहर में बैंक्विट हॉल में सगाई का कार्यक्रम चल रहा था और दोनों पक्ष खुशी के माहौल में व्यस्त थे। इसी दौरान एक युवक, जो पूरी तरह मेहमान जैसा दिख रहा था, वह सजधज कर समारोह में दाखिल हुआ।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

ये पूरी घटना बैंक्विट हॉल में लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि आरोपी पहले कुछ देर तक सामान्य तरीके से घूमता है और फिर मौका देखकर बैग लेकर अपने सूट की आड़ में कर के बाहर निकल जाता है। वहीं कुछ देर बाद जब पीड़ित परिवार को बैग गायब होने का पता चला तो हड़कंप मच गया। काफी तलाश के बाद भी बैग नहीं मिला, जिसके बाद CCTV फुटेज खंगाली गई तो इस चोरी के बारे में पता चला। इसके बाद पीड़ित परिवार ने सेक्टर-49 थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं पुलिस का कहना है कि CCTV के आधार पर आरोपी की पहचान की कोशिश जा रही है।

9 साल पहले लव मैरिज का ऐसा अंत

शक के चलते पति ने पत्नी को काट दिया कुल्हाड़ी से

हिंदमाता नेटवर्क @ झांसी

उत्तर प्रदेश के झांसी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां शक के नौ साल बाद पति ने शक के चलते अपनी पत्नी की जान ले ली। मृतका की पहचान 27 साल की धनदेवी के रूप में हुई है, जो मोंठ थाना क्षेत्र के चेलरा गांव की रहने वाली थी। परिजनों के मुताबिक, साल 2016 में गांव के ही हरिओम विश्वकर्मा धनदेवी को भगा ले गया था। उस समय परिवार ने मामला दर्ज कराया था, लेकिन बाद में दोनों ने शादी कर ली और मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले के वीरपुरा गांव में रहने लगे। परिजनों का आरोप है कि शादी के कुछ साल बाद से ही हरिओम अपनी पत्नी पर शक करने लगा था। किसी से बात करने पर भी विवाद होता था और अक्सर मारपीट की नौबत आ जाती थी। करीब चार महीने पहले इसी प्रताड़ना से तंग आकर धनदेवी अपनी बहन के पास इंदरगढ़ चली गई थी और वहीं नौकरी करने लगी थी। बताया जा रहा है कि आरोपी पति ने अपने बेटे की बीमारी का बहाना बनाकर 8 अप्रैल को धनदेवी को ससुराल बुलाया।

अफेयर से परेशान था पिता, दोस्त संग मिलकर बेटी का गला घोंटा

तेजाब से चेहरा जलाया

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

लखनऊ के चिनहट थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने अपने ही दोस्त के साथ मिलकर नाबालिग बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी और पहचान छिपाने के लिए उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पिता विजय चौबे से पूछताछ की गई तो उसने बताया वो अपनी बेटी के चाल चलन से बेहद परेशान था। फैजाबाद रोड स्थित एक यूनिवर्सिटी में बस चलाने वाले विजय कुमार चौबे को अपनी बेटी की वजह से ही कई बार किराए का मकान भी बदलना पड़ा था। अगस्त 2025 में बेटी अपने प्रेमी के साथ लापता हो गई। पुलिस की मदद से बरामद हुई। प्रेमी को जेल भेज दिया गया, लेकिन नवंबर 2025 से जेल से छूटने के बाद भी बेटी अपने प्रेमी से बात कर रही थी। बेटी के चाल चलन से पिता और परिवार की बदनामी हो रही थी, जिसकी वजह से पिता ने ही अपने दोस्त के साथ मिलकर बेटी की हत्या कर दी। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा के मुताबिक, 16 अप्रैल को धावा, चिनहट निवासी विजय कुमार चौबे ने IGRS के जरिए अपनी बेटी वंदना चौबे जिसकी उम्र 16 वर्ष के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल और संदिग्धों से पूछताछ की, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

किराए की कार से ले गए

13 अप्रैल को दोनों ने किराए की कार ली और बेटी को झाड़-फूंक कराने के बहाने घर से बाहर ले गए। रास्ते में एक ढाबे पर रुकने के बाद देर रात बाराबंकी के कुर्सी रोड पहुंचे, जहां सुनसान जगह पर कार के अंदर सो रही बेटी का गला घोंट दिया। डीसीपी ने आगे बताया कि, बेटी के विरोध करने पर भी आरोपी नहीं रुके और तब तक गला दबाते रहे जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर तेजाब डाला

हत्या के बाद पहचान छिपाने के लिए आरोपियों ने उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया। इसके बाद शव को शारदा नहर में फेंकने की कोशिश की, लेकिन सड़क पर वाहन आते देख घबराकर मौके से फरार हो गए। आरोपी पिता ने बताया कि वह बेटी के व्यवहार से परेशान था और सामाजिक बदनामी के डर से उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी पिता विजय कुमार चौबे (34) और उसके साथी अब्दुल मन्नान (45) को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

सट्टे के कर्ज में डूबे पोस्टमास्टर ने दोस्त के घर दी जान

लेनदारों के दबाव में खत्म कर ली जिंदगी

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर

यूपी के कानपुर जिले के बिल्हौर कस्बे में डाक विभाग के एक पोस्टमास्टर के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक ने अपने दोस्त के घर फांसी लगाकर सुसाइड किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है और मामले की जांच कर रही है। घटना बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार मृतक सट्टे में कर्ज में डूबा हुआ था और लेनदारों के दबाव से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। मृतक की पहचान सौरभ शर्मा के रूप में हुई है। मृतक हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कानेना थाना क्षेत्र के चेलवान गांव का रहने वाला था। वह कानपुर देहात के रसूलाबाद क्षेत्र के वीरहूं गांव स्थित डाकघर में ब्रांच पोस्ट मास्टर के पद पर तैनात था। बताया जा रहा है कि वह बीती रात अपने घर जाने के दौरान बिल्हौर में अपने दोस्त रोहित के कमरे पर रूक था। वह भी डाक विभाग में काम करता है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

रात में दोनों ने साथ खाना खाया और फिर सोने चले गए। सुबह जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो रोहित को शक हुआ। उसने खिड़की से झांककर देखा तो अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गया। सौरभ ने मफलर के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बिल्हौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

कर्ज में डूबा था मृतक

रोहित ने पुलिस को बताया कि सौरभ सट्टे में पैसे हार गया था और उस पर बहुत कर्ज हो गया था। लेनदार लगातार उस पर पैसे लौटाने का दबाव बना रहे थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि सौरभ ने अपना मोबाइल फोन तक बेच दिया था और नंबर भी बंद कर दिया था। इसी तनाव में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार मृतक के परिजन देर कानपुर पहुंच गए हैं, लेकिन अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डिलीवरी बॉय के नाम पर करोड़ों का कारोबार?

पैन कार्ड से हुआ खेल, अब घर आ रहे IT के नोटिस

हिंदमाता नेटवर्क @ बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गरीब डिलीवरी बॉय के पैन कार्ड का दुरुपयोग कर उसके नाम पर करोड़ों रुपये का फर्जी कारोबार दिखा दिया गया। मामले में पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से वह मानसिक रूप से टूट चुका है।

साढ़े नौ करोड़ का लेनदेन हुआ तो..

हैरानी की बात यह है कि यहां जीएसटी पोर्टल पर अगले महीने अगस्त 2020 में ही 9 करोड़ 49 लाख 19 हजार 616 रुपये का फर्जी कारोबार दर्ज कर दिया गया, जबकि पीड़ित को इस लेन-देन की कोई जानकारी तक नहीं थी और न ही उसे कोई रकम प्राप्त हुई। इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब आयकर विभाग की ओर से फिरोज अहमद को नोटिस जारी किया गया। पहली बार नोटिस मिलने के बाद वह सकते में आ गया और जब उसने जीएसटी विभाग से जानकारी जुटाई तो पूरे मामले का पर्दाफाश हुआ। इसके बाद 28 जून 2025 को आयकर विभाग द्वारा पुनः नोटिस जारी किया गया, जो उसे 3 जुलाई 2025 को प्राप्त हुआ।

अमेज़न में डिलीवरी बॉय है पीड़ित

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धामपुर तहसील के ग्राम पृथ्वीपुर बनवारी निवासी फिरोज अहमद अमेज़न में डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है। उसके पैन कार्ड का इस्तेमाल करके साल 2020-21 में फर्जी तरीके से जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा लिया गया। इस फर्जी फर्म का नाम 'WYN IMPEX' रखा गया और 14 जुलाई 2020 से इसका रजिस्ट्रेशन सक्रिय दिखाया गया।

पीड़ित को लगातार मिल रहे नोटिस

जांच में सामने आया कि जीएसटी रजिस्ट्रेशन के दौरान इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, दस्तावेज, एफिडेविट और हस्ताक्षर, पूरी तरह फर्जी हैं और इनका पीड़ित से कोई संबंध नहीं है। पीड़ित फिरोज अहमद ने बताया कि वह एक गरीब मजदूर है और जन्म से अपने गांव में रह रहा है। उसने 13 अगस्त 2025 को इस मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में भी की थी, लेकिन आरोप है कि न तो उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई हुई और न ही उसे रिसीविंग तक दी गई। लगातार मिल रहे नोटिस, आर्थिक और मानसिक दबाव तथा प्रशासनिक उदासीनता के चलते पीड़ित अब गहरे तनाव में है। यह मामला न सिर्फ पहचान की चोरी (Identity Theft) का गंभीर उदाहरण है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे की भी ओर इशारा करता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर पीड़ित को न्याय दिलाता है।

8 साल पहले भगा लाया था लड़की और रचाई थी शादी, दी दर्दनाक मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ कौशांबी

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में एक युवक के सिर पर कुल्हाड़ी से मारकर उसको मौत के घाट उतार दिया गया। मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके की पुलिस, फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक ने 8 साल पहले आरोपी पक्ष की लड़की को भगाकर शादी कर ली थी इसी बात को लेकर वे लोग नाराज थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना करारी थाना क्षेत्र के एडहरा गांव की है। जानकारी के मुताबिक 30 साल के मृतक भारत यादव ने 8 साल पहले गांव के ही एक परिवार की लड़की को भगा कर शादी की थी। इसी को लेकर विवाद बना हुआ था। रविवार शाम को किसी मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई और देखते ही देखते दोनों परिवार के लोग आपस में भिड़ गए और मारपीट शुरू हो गई। तभी विपक्षी पार्टी के लोगों ने मिलकर भारत यादव को कुल्हाड़ी से मार कर उसकी निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी । सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स साथ एडिशनल एसपी सीओ सदर घटना स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। भारत यादव के परिजन का आरोप है कि भारत को अशोक पांडे के लड़कों ने मार दिया है। उनकी लड़की ने भारत के साथ भागकर शादी कर ली थी इसलिए हम लोगों से उनकी दुश्मनी थी ।मामले में एडिशनल एसपी राजेश कुमार ने बताया कि दो पक्षों में झगड़ा हुआ है जिसमें एक भारत यादव की हत्या कर दी गई। शव को मर्चरी के लिए भेज दिया गया है। अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

हिंदमाता एंकरः इस परियोजना के पूरा होने के बाद आसपास के निवासियों को काफी हद तक राहत मिलेगी और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी

नोएडा में अब कम सुनाई देगा हॉर्न का शोर, इन इलाकों में लगेंगे साउंड बैरियर

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा

नोएडा में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और उससे पैदा हो रहे ध्वनि प्रदूषण को लेकर आखिरकार प्रशासन ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। शहर की प्रमुख एलिवेटेड सड़कों पर अब साउंड बैरियर लगाए जाएंगे, ताकि आसपास रहने वाले लोगों को वाहनों की हॉर्न और तेज रफ्तार ट्रैफिक के शोर से राहत मिल सके। यह निर्णय लंबे समय से उठ रही स्थानीय निवासियों की शिकायतों और मांगों के बाद लिया गया है। दरसअल, नोएडा में एमपी 2 और डीएससी रोड पर बने एलिवेटेड रोड पिछले साल नवंबर में शुरू हुए थे। इन सड़कों के शुरू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव तो काम हुआ, लेकिन इसके साथ ही कई नई समस्याएं सामने आ गई। दिन रात इन सड़कों पर दौड़ते वाहनों और लगातार बजाते होरन की आवाज से आसपास के सेक्टरों और सोसायटियों में रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया।

आसपास के इलाकों में बड़ी परेशानी

एलिवेटेड रोड के दोनों ओर बड़ी संख्या में रिहायशी क्षेत्र, सेक्टर, गांव और हाउसिंग सोसायटी मौजूद हैं। इन इलाकों में रहने वाले लोगों का कहना है कि रात के समय भी वाहनों की आवाज और हॉर्न का शोर इतना ज्यादा होता है कि नींद लेना मुश्किल हो जाता है। कई निवासियों ने शिकायत की की बच्चों की पढ़ाई बुजुर्गों की सेहत और रोजमर्रा की जिंदगी पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। लोगों ने कई बार प्राधिकरण और प्रशासन से इस समस्या के समाधान की मांग की थी। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नोएडा प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड पर साउंड बैरियर लगाने की योजना तैयार कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक दोनों प्रमुख एलिवेटेड सड़कों पर ऐसे बैरियर लगाए जाएंगे जो ध्वनि और शोर को कम कर आसपास के इलाकों में फैलने से रोकेंगे। इस परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा।

करीब 19 करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च

शहर के एक एलिवेटेड रोड पर साउंड बैरियर लगाने के लिए करीब 19 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया जा रहा है वही भंगेल एलिवेटेड रोड पर आने वाले खर्च का आकलन भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारियों को कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद आसपास के निवासियों को काफी हद तक राहत मिलेगी और ध्वनि प्रदूषण में कमी आएगी। प्राधिकरण ने इस परियोजना की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए आइआइटी से तकनीकी परीक्षण करने का निर्णय लिया है।

सबसे ज्यादा ट्रकों और भारी वाहनों का शोर

साउंड बैरियर लगाने से पहले और बाद में ध्वनि स्तर का आकलन किया जाएगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शोर में वास्तव में कमी आएगी या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी एलिवेटेड रोड पर भारी वाहनों की आवजाही रोकने के लिए योजना बनाई गई थी, ताकि शोर को काम किया जा सके। हालांकि, यह योजना ज्यादा सफल नहीं हो पाई और ट्रैफिक पहले की तरह चलता रहा। इसके बाद यातायात पुलिस ने कुछ नियम लागू किया। लेकिन ध्वनि प्रदूषण की समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकल पाया। ऐसे में अब साउंड बैरियर को सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि एलिवेटेड रोड बनने से यातायात सुगम जरूर हुआ है। लेकिन इसके साथ शोर की समस्या बढ़ गई है खासकर रात के समय ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के गुजरने से स्थिति और खराब हो जाती है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आखिरकार इस योजना को धरातल पर कब तक उतारा जाएगा।

जापान में भूकंप के बाद सुनामी का कहर

उठी 80 सेंटीमीटर ऊंची लहरें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

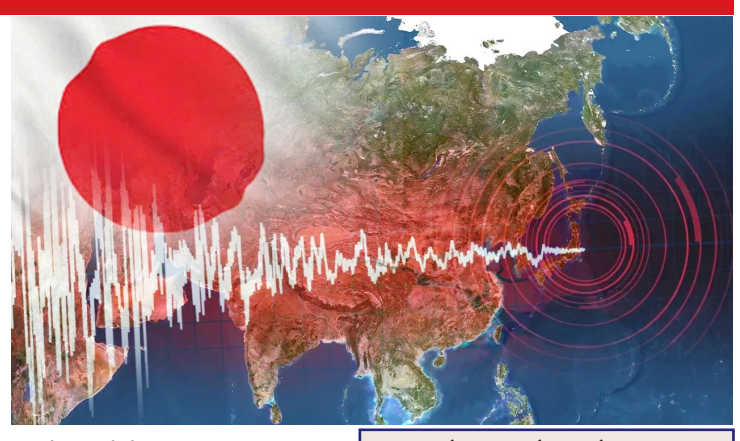

जापान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.4 दर्ज की गई है। भूकंप का केंद्र सैनरिकु के तट से लगभग 100 किलोमीटर दूर पानी में था। भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर आंकी गई है। इस झटके के बाद जापान हाई अलर्ट पर है। जापान मौसम विभाग का कहना है कि कुछ इलाकों में सुनामी की लहर भी उठी है। विभाग के मुताबिक मियाको बंदरगाह में सुनामी की एक लहर 80 सेंटीमीटर जितनी ऊंची दर्ज की गई है। विभाग का कहना है कि इन दो इलाकों में भी जल्द ही सुनामी की लहरें उठ सकती हैं। ये दो इलाके हैं-होक्काइडो और इवाते। जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके का कहना है कि मौसम वैज्ञानिकों ने जापान के मुख्य द्वीप के उत्तरी भाग में स्थित आओमारी प्रांत तट से 50 किमी दूर पर सुनामी देखी है। यही वजह है कि जापान को हाई अलर्ट पर रखा गया है। सुनामी के अलर्ट के बाद समंदर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें जहाजों को तटों की ओर भागते हुए देखा जा रहा है। इधर, भूकंप के तेज झटके के बाद जापान में परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय वैज्ञानिक ओनागावा परमाणु ऊर्जा संयंत्र में किसी भी प्रकार की असामान्यताओं की जांच कर रहे हैं। जापान की प्रधानमंत्री सना ताकाएची ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा है। उन्होंने इस संकट के समय आम नागरिकों से धैर्य बनाए रखने की अपील भी की है।

जापान में भूकंप के इतने झटके क्यों?

जापान में इस साल 6 तीव्रता से ज्यादा के 3 झटके महसूस किए गए हैं। 2025 में भूकंप के 1500 से ज्यादा झटके जापान में महसूस किए गए थे। सवाल है कि जापान में आखिर भूकंप के इतने झटके महसूस क्यों किए जाते हैं? दरअसल, जापान 4 बड़े टेक्टॉनिक प्लेटों पर बसा एक मुल्क है, जो प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। यहीं पर धरती के नीचे की प्लेटें लगातार आपस में जोड़-तोड़ करती रहती हैं। यही वजह है कि यहां हर साल करीब 1500 भूकंप दर्ज होते हैं।

इजरायली सैनिकों ने तोड़ी ईसा मसीह की मूर्ति

विदेश मंत्री को मांगनी पड़ी माफी, कहा- ये शर्मनाक

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दक्षिण लेबनान में एक आईडीएफ सैनिक ने ईसा मसीह की प्रतिमा के साथ तोड़फोड़ की थी। इसे लेकर अब इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार की प्रतिक्रिया सामने आई थी। गिदोन ने इस घटना को 'शर्मनाक' बताते हुए ईसाई समुदाय से माफी मांगी है। दरअसल पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें एक इजरायली सैनिक हथौड़े से ईसा मसीह की मूर्ति को तोड़ते हुए नजर आ रहा था। इस फोटो को एक लेबनानी पत्रकार ने शेयर किया था जिसकी बाद में IDF ने भी पुष्टि की थी। विदेश मंत्री गिदोन सार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की चीजें इजरायल के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'सभी ईसाइयों से माफी मांगते हैं..'

गिदोन ने लिखा, 'दक्षिण लेबनान में एक आईडीएफ सैनिक के ईसाई धार्मिक प्रतीक को नुकसान पहुंचाना गंभीर और अपमानजनक है। मैं आईडीएफ के बयान में इस घटना की निंदा करने और मामले की जांच करने की सराहना करता हूं।' विदेश मंत्री ने आगे कहा, 'ये शर्मनाक कार्रवाई पूरी तरह से हमारे मूल्यों के खिलाफ है। इजरायल एक ऐसा देश है जो अलग-अलग धर्मों और उनके पवित्र प्रतीकों का सम्मान करता है और धर्मों के बीच सम्मान को बनाए रखता है। हम इस घटना के लिए और उन सभी ईसाइयों से माफी मांगते हैं जिनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है।' बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर में एक इजरायली सैनिक को ईसा मसीह की मूर्ति पर हथौड़े से वार करते देखा जा रहा है। इजरायली सेना ने इस फोटो के असली होने की बात कबूल की है और माफी मांगते हुए वादा किया है कि वो मूर्ति को ठीक कराने में सहयोग करेगा।

बिजनेस वर्ल्ड

द बॉडी शॉप ने नया रिट्रैक्टेबल काजल लॉन्च किया नए हाई-परफॉर्मेंस, स्मज-प्रूफ काजल के साथ भारतीय सौंदर्य परंपराओं को नया रूप दिया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

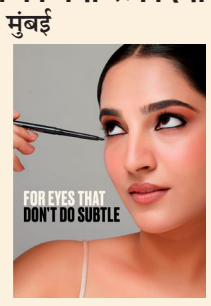

ब्रिटेन में जन्मे एथिकल ब्यूटी ब्रांड द बॉडी शॉप ने बिल्कुल नया रिट्रैक्टेबल काजल लॉन्च किया है। आंखों को परिभाषित करने और उन्हें और गहरा दिखाने के लिए बना यह हाई-परफॉर्मेंस उत्पाद, आधुनिक नवाचार के जरिए भारतीय सौंदर्य की पुरानी परंपराओं को नए अंदाज में पेश करता है। यह लॉन्च द बॉडी शॉप की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों और पसंद के हिसाब से खास उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाती है। इस काजल की बनावट मुलायम और हल्की है, जो बिना खिंचाव के आसानी से लगती है और सटीक तरीके से लगाई जा सकती है, चाहे हल्का लुक चाहिए हो या बोल्ड। इसका फॉर्मूला एक ही बार में गहरा काला रंग देता है और इसे 24 घंटे तक टिके रहने के लिए तैयार किया गया है। यह पूरी तरह वाटरप्रूफ, स्मज-प्रूफ और ट्रांसफर-प्रूफ है, जो सुबह से रात तक भरोसेमंद फिनिश देता है। विटामिन ई, कैरट सीड ऑयल और बिसाबोलॉल ऑयल से भरपूर यह फॉर्मूला आंखों के नाजुक हिस्से को पोषण देता है। नेत्र विशेषज्ञों और त्वचा विशेषज्ञों द्वारा इसका परीक्षण किया गया है, जिससे यह कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों के लिए भी उपयुक्त है और रोजाना इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है। क्वेस्ट रिटेल के ग्रुप सीईओ राहुल शंकर ने कहा, "भारत हमारे लिए एक रणनीतिक प्राथमिकता वाला बाजार बना हुआ है और यह लॉन्च यहां गहरी स्थानीय प्रासंगिकता बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय सौंदर्य बाजार में काजल का एक अटूट स्थान है और इस उत्पाद के जरिए हम अपनी वैश्विक विशेषज्ञता को स्थानीय समझ के साथ जोड़ रहे हैं। भारत में तैयार और निर्मित यह उत्पाद हमारे ग्राहकों के लिए खास तौर पर बनाए गए हाई-परफॉर्मेंस और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक नवाचार की दिशा में एक मजबूत कदम है।" इस लॉन्च के साथ द बॉडी शॉप ने परंपरा और नवाचार के मेल का जश्न मनाना जारी रखा है और यह ऐसे उत्पाद लेकर आत है जो स्थानीय सौंदर्य परंपराओं से जुड़ते हैं और साथ ही भरोसेमंद, उच्च-प्रदर्शन वाले नतीजे देते हैं। द बॉडी शॉप काजल की कीमत 595 रुपये है और यह द बॉडी शॉप के सभी स्टोर और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

For further information: Sachin Kulaye 9867036368, Value360 Communications.

अमेरिका के कब्जे में ईरानी जहाज, ट्रंप का बड़ा दावा

शांति वार्ता से पहले होर्मुज में बढ़ा तनाव

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

पाकिस्तान में दूसरे चरण की शांति वार्ता को लेकर एक तरफ ईरान ने अपना डेलिगेशन भेजने से इनकार कर दिया है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी जहाज को जबरन जब्त करने का दावा करके तनाव बढ़ा दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ध्वज वाले एक मालवाहक जहाज (कार्गो शिप) को जबरन जब्त कर लिया है, जिसने नौसैनिक नाकाबंदी को पार करने की कोशिश की थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज, लगभग 900 फीट लंबे और लगभग एक विमानवाहक पोत के बराबर वजनी, ईरान के झंडे वाले मालवाहक जहाज 'टूस्का' ने हमारी नौसैनिक नाकाबंदी को पार करने की कोशिश की, लेकिन यह उनके लिए नाकाम साबित हुआ।

ईरानी जहाज के इंजन रूम में किया छेद

अमेरिकी नौसेना के वॉरशिप 'यूएसएस स्प्रुएंस' ने ओमान की खाड़ी में 'टूस्का' को रुकने की चेतावनी दी। ईरानी चालक दल ने बात नहीं मानी, इसलिए हमारे नौसेना के जहाज ने इंजन रूम में छेद करके उन्हें वहीं रोक दिया। फिलहाल, अमेरिकी मरीन ने जहाज को अपने कब्जे में ले लिया है। अवैध गतिविधियों के इतिहास के कारण 'टूस्का' पर अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। जहाज पूरी तरह से हमारे कब्जे में है और हम जहाज पर मौजूद चीजों की जांच कर रहे हैं।

शांति वार्ता के दूसरे दौर पर असर

ईरान की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। इस खबर ने ट्रंप की उस घोषणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी वार्ताकार ईरान के साथ वार्ता के एक और दौर के लिए सोमवार (आज) को पाकिस्तान जाएंगे। इससे बुधवार को खत्म होने वाले नाजुक युद्धविराम को बढ़ाने की उम्मीद जगी थी, जबकि वाशिंगटन और तेहरान होर्मुज स्ट्रेट को लेकर गतिरोध में बने हुए हैं। ईरान ने अभी तक अपनी उपस्थिति की पुष्टि नहीं की है। जबकि इसके मुख्य वार्ताकार, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने शनिवार देर रात राज्य टेलीविजन पर प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा कि कूटनीति के क्षेत्र में कोई पीछे हटना नहीं होगा, उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों पक्षों के बीच अभी भी एक बड़ा अंतर बना हुआ है।

इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

मेजबान पाकिस्तान ने भी दूसरे दौर की पुष्टि नहीं की, लेकिन अधिकारियों ने इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। इस प्रयास में शामिल एक क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि मध्यस्थ तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं और अमेरिकी सुरक्षा दल मौके पर मौजूद हैं। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की क्योंकि उन्हें मीडिया से तैयारियों के बारे में चर्चा करने की अनुमति नहीं थी। व्हाइट हाउस ने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वैंस, जिन्होंने पिछले वीकेंड 21 घंटे से अधिक चली ऐतिहासिक आमने-सामने की वार्ता के पहले दौर का नेतृत्व किया था, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान जाएंगे।

न खामेनेई, न ईरान के राष्ट्रपति इस शख्स के पास आई तेहरान की असली ताकत, 3 सबूत

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई के अंडरग्राउंड रहने के कारण ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने तेहरान की सत्ता को पूरी तरह से कंट्रोल में ले लिया है। तेहरान के 3 बड़े फैसले इसकी पुष्टि भी हुई है। इसी बीच अमेरिकी मीडिया आउटलेट न्यूयॉर्क पोस्ट ने जानकारों के हवाले से दावा किया है कि आईआरजीसी के चीफ कमांडर अहमद वाहिदी इस वक्त ईरान के असली शासक हैं। पोस्ट के मुताबिक सभी बड़े फैसले वाहिदी के कहने पर ही लिए जा रहे हैं। जंग से पहले वाहिदी आईआरजीसी में नंबर-2 पद पर तैनात थे। मोहम्मद पाकपूर की हत्या के बाद उन्हें आईआरजीसी की कमान मिली थी।

सवाल- कौन हैं अहमद वाहिदी?

अहमद वाहिदी वर्तमान में ईरान की सबसे शक्तिशाली आईआरजीसी के प्रमुख हैं। उनका असली नाम वहीद शाहचेराघी है। वाहिदी का जन्म साल 1958 में हुआ था। ईरान में शाह पहेलवी के खिलाफ हुए आंदोलन में वाहिदी भी शामिल थे। 1979 में जब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की स्थापना हुई तो वाहिदी इसमें शामिल हो गए।

वाहिदी के पास कंट्रोल कैसे, 3 सबूत

1. ISW ने पाकिस्तान में हुए पहले दौर की बैठक को लेकर एक रिपोर्ट की है। इसमें कहा गया है कि वाहिदी के कहने पर आखिरी वक्त में वार्ता के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल की सूची में बदलाव किया गया था। प्रतिनिधिमंडल में बाघेर कानी को शामिल किया गया था, जो ईरान के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी सेक्रेटरी हैं। प्रतिनिधिमंडल में अब्बास अराघची के अलावा एक भी उदार वादी नहीं थे।

2. 17 अप्रैल को अराघची ने पाकिस्तान और अमेरिका के वार्ता दलों से मुलाकात के बाद सार्वजनिक तौर पर होर्मुज को खोलने का ऐलान किया था, लेकिन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं IRGC से संबंधित तस्नीम न्यूज ने अराघची को भला-बुरा सुना दिया। इसके बाद होर्मुज खोलने का फैसला अधर में लटक गया।

3. इस्लामाबाद में दूसरे दौर की बातचीत प्रस्तावित है, लेकिन अभी तक ईरान की तरफ से डेलिगेशन का नाम फाइनल नहीं हुआ है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अपने एक जहाज पर हमले का बदला लेने की घोषणा की है। आईआरजीसी का कहना है कि अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा है।

ब्लेम गेम खेल रहा अमेरिका, अब और बातचीत का प्लान नहीं: ईरान

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान ने साफ कहा है कि अभी उसका अमेरिका के साथ नई बातचीत का कोई प्लान नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फिलहाल अगली वार्ता को लेकर कोई तैयारी नहीं चल रही है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह बातचीत को लेकर गंभीर नहीं है और बार-बार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। बघाई ने कहा कि अमेरिका की बात और उसके काम अलग-अलग हैं, जिससे भरोसा टूट रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका लगातार ईरान को दोषी ठहराने का ब्लेम गेम खेल रहा है।

अमेरिका पर नियम तोड़ने के आरोप

ईरान के मुताबिक, अमेरिका ने लेबनान से जुड़े समझौते को भी सही तरीके से नहीं माना और अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट गया। इसके अलावा अमेरिका ने ईरान पर समुद्री नाकेबंदी लगाने की कोशिश की, जो सीजफायर के खिलाफ है। ईरान का यह भी आरोप है कि अमेरिकी सेना ने एक ईरानी कारोबारी जहाज पर हमला किया, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। बघाई ने कहा कि अमेरिका पहले भी बातचीत के दौरान हमले कर चुका है और ईरान इसे भूला नहीं है। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों की जानकारी पाकिस्तान के जरिए मध्यस्थ के तौर पर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका का रवैया नहीं बदला।

अमेरिका पर भरोसा नहीं: ईरान

ईरान ने यह भी कहा कि उसने इस्लामाबाद में 10 बिंदुओं का प्रस्ताव दिया था, जिस पर चर्चा हुई, लेकिन अमेरिका की कार्रवाइयों से भरोसा और कमजोर हो गया। ईरान का दावा है कि होर्मुज स्ट्रेट पहले सुरक्षित था, लेकिन अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई के बाद हालात बिगड़ गए। प्रवक्ता ने साफ कहा कि अगर अमेरिका या इजराइल फिर कोई हमला करते हैं, तो ईरान की सेना जवाब देगी। साथ ही उन्होंने दोहराया कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता रहेगा। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक भरोसा वापस नहीं आता, तब तक अमेरिका के साथ नई बातचीत की संभावना बहुत कम है।

तेहरान में 48 घंटे तक मुनीर ने की मान-मनौव्वल, फिर भी बातचीत के लिए क्यों तैयार नहीं है ईरान?

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच समझौता फेल होता देख पाकिस्तान सेना के प्रमुख आसिम मुनीर खुद सक्रिय हुए। पिछले हफ्ते मुनीर ने ईरान को मनाने के लिए 48 घंटे के लिए तेहरान का दौरा किया। इस दौरान वे ईरान के राष्ट्रपति, संसद के स्पीकर और विदेश मंत्री से मिले। मुनीर के ईरान दौरे का उद्देश्य ऐसा प्रस्ताव तैयार करना था, जिस पर ईरान और अमेरिका दोनों सहमत हो सकें। हालांकि, वे अपनी इस कोशिश में सफल नहीं हो पाए। इतना ही नहीं, तेहरान में 48 घंटे तक ईरानी नेताओं के साथ बैठकों के बावजूद मुनीर उन्हें अगली बैठक के लिए राजी नहीं कर सके। नतीजतन, ईरान और अमेरिका के बीच दूसरे दौर की बैठक को लेकर सस्पेंस बरकरार है। ईरान ने साफ कहा है कि उनके पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिस पर वे अमेरिका के साथ बात कर सकें।

मुनीर क्यों फेल हो गए, 3 प्वॉइंट्स

1. पाकिस्तान सुरक्षा एजेंसी के हवाले से एक रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक आसिम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से खुद बात की है। मुनीर ने फोन से बातचीत में ट्रंप से कहा- अगर होर्मुज की नाकाबंदी जारी रहती है तो बातचीत संभव नहीं है। यानी ईरान चाहता है कि अमेरिका होर्मुज की नाकाबंदी को खत्म करे। पिछले हफ्ते ट्रंप ने इसे खत्म करने की घोषणा भी की थी, लेकिन अमेरिकी सैनिक ओमान की खाड़ी से नहीं हटे।

ईरान ने यह साफ कर दिया है कि होर्मुज पर सिर्फ उसी का कंट्रोल है। बात तभी आगे बढ़ सकती है, जब अमेरिका इसे माने। अमेरिका अगर नहीं होर्मुज पर अगर ईरान के दावे को नहीं मानता है तो बात आगे नहीं बढ़ेगी। ट्रंप ने मुनीर को इसे देखने का आश्वासन दिया है।

2. बातचीत की मियाद तय होने के कुछ ही घंटे बाद होर्मुज में एक ईरानी जहाज को अमेरिका ने कब्जे में ले लिया। अमेरिकी सेंटकॉम का कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद यह जहाज ईरान जा रहा था। ईरान ने इसे एक्ट ऑफ वॉर माना है। अब ईरान की कोशिश इस जहाज को छुड़ाने की है।

जहाज को अमेरिका के कंट्रोल में लेने से इस पर तैनात कर्मचारियों के भविष्य को लेकर संशय है। अमेरिका ने कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। ईरान इसको लेकर स्पष्टीकरण चाहता है।

3. ईरान समझौते को लेकर ठोस गारंटर चाहता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि हमारे पास बातचीत के लिए कुछ नहीं है। जिस तरीके से इसे खींचा जा रहा है, वो ठीक नहीं है। ईरान को लगता है कि अमेरिका बड़े हमले की तैयारी के लिए बातचीत का दांव खेल रहा है।

अटलांटिक काउंसिल में मध्य पूर्व मामलों के एक्सपर्ट माइकल कुघलमैन के मुताबिक पाकिस्तान की कोशिश दूसरे राउंड की बैठक के जरिए सीजफायर को आगे बढ़ाने की है। ताकि, होर्मुज और परमाणु को लेकर और विस्तार से बातचीत हो सके।

भारतीय डाक ने किया कमाल, कर डाली 15,296 करोड़ की कमाई

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आज के दौर में जब लोग संदेश भेजने के लिए WhatsApp, Telegram और दूसरे डिजिटल साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में बहुत कम ही लोग होंगे जो पोस्टकार्ड या चिट्ठी के जरिए अब संदेश भेजते हैं। आपको याद होगा कि पहले कैसे भारतीय डाक के जरिए लोग संदेश भेजने के लिए चिट्ठी या पोस्टकार्ड का इस्तेमाल करते थे। समय बदला और काम करने का तरीका भी बदल गया। अब आप सोच रहे होंगे कि ये सब बाते में आपको क्यों बता रहा हूं। दरअसल समय के साथ-साथ भारतीय डाक विभाग ने अपने काम करने के तरीके को बदला। जिसका नतीजा यह हुआ कि भारतीय डाक विभाग ने इतिहास दर्ज किया है। अपने काम करने के तरीकों को बदल कर भारतीय डाक विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 में 15,296 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो एक साल पहले की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिंधिया ने डाक विभाग की वार्षिक कारोबारी बैठक के बाद यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि विभाग के लिए यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में विभाग का राजस्व 13,218 करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में बढ़कर 15,296 करोड़ रुपये हो गया। डाक विभाग के कार्यशैली में परिवर्तन और नए तरीकों के चलते ही यह उपलब्धि हासिल हो सकी है। सिंधिया ने कहा कि सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, नए ग्राहकों को जोड़ने और ग्राहकों के साथ सिक्स सिग्मा स्तर के सेवा समझौतों को लागू करने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे अगले वित्त वर्ष में और अधिक वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा, यह विभाग के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। हमने इस साल तीन नए उत्पाद भी पेश किए। अब हमारा ध्यान सेवाओं के विस्तार, नए ग्राहकों के अधिग्रहण और सख्त सिक्स सिग्मा सेवा मानकों के अनुरूप प्रदर्शन पर है, ताकि नए वित्त वर्ष में और भी बेहतर वृद्धि दर्ज की जा सके। संचार मंत्री ने कहा कि डाक विभाग ने लंबे समय बाद 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल की है और इस रफ्तार को आगे भी कायम रखने का प्रयास किया जाएगा।

सऊदी के आगे झुका पाकिस्तान! सुडान के साथ कैंसिल करनी पड़ी 42 हजार करोड़ की डील

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने सूडान को हथियार और जेट विमानों की सप्लाई 1.5 अरब डॉलर यानी 42 हजार करोड़ पाकिस्तानी रुपए की डील को कैंसिल कर दिया है। यह कदम सऊदी अरब के उस अनुरोध के बाद उठाया गया है, जिसमें उसने इस समझौते को रद्द करने और इसकी खरीद के लिए फंडिंग न करने की बात कही थी। सूडान की सेना और अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (RSF) के बीच चल रहे संघर्ष ने पिछले लगभग तीन सालों से दुनिया के सबसे भीषण मानवीय संकट को जन्म दिया है। यह संघर्ष अब विभिन्न विदेशी हितों के टकराव का केंद्र बन गया है और इस बात का खतरा पैदा हो गया है कि लाल सागर के तट पर स्थित यह देश-जो सोने का एक प्रमुख उत्पादक है-टूटकर बिखर सकता है। रॉयटर्स ने सबसे पहले जनवरी में यह रिपोर्ट दी थी कि यह डील अपने अंतिम फेज में है और इसमें सऊदी अरब ने मध्यस्थता की थी। हालांकि, उस समय रियाद की ओर से किसी भी प्रकार के फंडिंग की बात सामने नहीं आई थी। यह डील उन कई डिफेंस डील्स में से एक थी, जिन पर पाकिस्तानी सेना बातचीत कर रही थी। पिछले साल मई में भारत के साथ हुई झड़पों के बाद पाकिस्तानी सेना के जेट विमानों और हथियार प्रणालियों को मिली प्रमुखता के चलते इन डील्स को गति मिली थी। सऊदी अरब, पाकिस्तान के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक है और उसने इस्लामाबाद की आर्थिक रूप से जूझ रही इकोनॉमी के लिए कई अहम लोन और फंडिंग का एक मेन सोर्स के रूप में काम किया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच एक 'पारस्परिक रक्षा समझौते' पर हस्ताक्षर होने के बाद से उनके संबंधों में और भी अधिक गहराई आई है। इस समझौते के तहत, किसी भी एक देश पर होने वाले हमले को दोनों देशों पर हुआ हमला माना जाएगा। सुरक्षा सूत्रों में से एक ने बताया कि सऊदी अरब ने यह संकेत दिया है कि पाकिस्तान को इस डील को कैंसिल कर देना चाहिए, क्योंकि उसने अब इसके लिए फंडिंग करने का विचार त्याग दिया है।

जल्द आएंगी 85% इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां, सरकार ने बनाया ये प्लान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दुनिया भर में चल रहे जियोपॉलिटिकल तनाव और कच्चे तेल की लगातार बदलती कीमतों का सीधा असर हमारी जेब पर पड़ता है। जब भी आप अपनी कार या बाइक में पेट्रोल भरवाने जाते हैं, तो मीटर की तेजी से भागती सुई बजट की चिंता को बढ़ा देती है। अब इस बढ़ती अनिश्चितता को जड़ से खत्म करने और महंगे विदेशी तेल पर देश की भारी निर्भरता को घटाने के लिए सरकार एक दूरगामी दांव चलने जा रही है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अब 'फ्लेक्स-फ्यूल' से चलने वाले अत्याधुनिक वाहनों को तेजी से सड़कों पर उतारने की बड़ी तैयारी हो रही है। यह वो गाड़ियां होंगी जो ई-85 ईंधन पर दौड़ सकेंगी, जिसमें 85 प्रतिशत इथेनॉल और केवल 15 प्रतिशत पेट्रोल का मिला होगा। हाल के कुछ महीनों में अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और सैन्य टकराव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के खतरनाक स्तर को भी पार कर गई थीं। हालांकि बाद में एक युद्धविराम समझौते के चलते कीमतों में थोड़ी नरमी जरूर आई है, लेकिन सप्लाई चेन के अचानक रुकने का डर अभी भी पूरे बाजार में बना हुआ है। 'हर्मुज जलडमरूमध्य' रास्ते पर हुई हालिया घटनाओं ने इस ऊर्जा चिंता को और भी ज्यादा गहरा कर दिया है। शिपिंग मंत्रालय के अनुसार, वहां से गुजर रहे दो जहाजों को एक फायरिंग की घटना के बाद अपनी सुरक्षा के लिए फारस की खाड़ी में वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। हमारे देश में पेट्रोल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट सेक्टर में ही होती है, ऐसे में बाहर होने वाले किसी भी विवाद का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, हमारे ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट और रोजमर्रा की महंगाई पर पड़ता है। सरकार ने साल 2025 में 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग (E20) का नियम देशभर में लागू किया था। हालांकि, उस बदलाव के दौरान कई वाहन मालिकों ने अपनी गाड़ियों के घटते माइलेज और इंजन की परफॉरमेंस में आने वाली गिरावट को लेकर शिकायतें दर्ज कराई थीं।

हिंदमाता एंकर

2 जून, 2025 को अमित और उनका परिवार जोधपुर से काठमांडू पहुंचा और रक्षा अपने परिवार के साथ पाकिस्तान से नेपाल पहुंचीं। नेपाल की धरती पर दोनों ने सात फेरे लिए

पाकिस्तानी डॉक्टर बहू का जोधपुर में गृह प्रवेश, 15 साल रही पति से दूर

हिंदमाता नेटवर्क @ जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर स्थित पाल क्षेत्र में एक घर में सोमवार को खुशियों का ऐसा सैलाब उमड़ा, जिसकी उम्मीद पिछले डेढ़ दशक से की जा रही थी। पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आए एक परिवार ने अपनी बहू का स्वागत पलक-पावड़े बिछाकर किया। यह कहानी है सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमित सुथार और पाकिस्तान की डॉक्टर रक्षा सुथार की, जिनका मिलन किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। इस रिश्ते की बुनियाद साल 2011 से भी पहले रखी गई थी। अमित सुथार जब पाकिस्तान में थे, तभी उनके दादाजी और परिवार ने रक्षा के साथ उनका रिश्ता तय कर दिया था। लेकिन 2011 में अमित और उनके पिता प्रदीप सुथार का परिवार बेहतर भविष्य की तलाश में पाकिस्तान छोड़कर जोधपुर आ गया। परिवार तो भारत आ गया, लेकिन अमित की मंगेतर रक्षा सरहद के उस पार ही रह गईं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों और वीजा मिलने में होने वाली देरी के कारण यह रिश्ता साल दर साल खिंचता चला गया। अमित भारत में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन गए और रक्षा ने पाकिस्तान में अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की, लेकिन दोनों को मिलाने वाली 'वीजा की मुहर' नहीं लग पा रही थी।

जब सरहदों ने रोका रास्ता, तो नेपाल बना गवाह

वीजा की बार-बार कोशिशें नाकाम हुईं, तो दोनों परिवारों ने एक अनोखा रास्ता निकाला। चूंकि सीधे भारत या पाकिस्तान का वीजा मिलना मुश्किल था, इसलिए साल 2025 में दोनों परिवारों ने 'न्यूट्रल वेन्यू' के तौर पर नेपाल को चुना। 2 जून, 2025 को अमित और उनका परिवार जोधपुर से काठमांडू पहुंचा और रक्षा अपने परिवार के साथ पाकिस्तान से नेपाल पहुंचीं। नेपाल की धरती पर दोनों ने सात फेरे लिए और शादी के बंधन में बंध गए।

शादी के बाद फिर हुई जुदाई : 10 महीने का कड़ा संघर्ष

शादी के बाद भी रक्षा भारत नहीं आ सकीं। नियमों के मुताबिक, अमित को अकेले जोधपुर लौटना पड़ा और रक्षा को वापस पाकिस्तान जाना पड़ा। निकाह के बाद की यह जुदाई और भी ज्यादा तकलीफदेह थी। करीब 10 महीने तक कागजी कार्रवाई और दूतावासों के चक्कर काटने के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के हस्तक्षेप से राहत मिली। रक्षा को आखिरकार 45 दिनों का विजिटर वीजा जारी हुआ।

गृह प्रवेश पर छलकीं खुशियां

जैसे ही रक्षा सुथार जोधपुर के पाल गांव स्थित अपने ससुराल पहुंचीं, वहां उत्सव जैसा माहौल हो गया। वर्षों के इंतजार के बाद अपनी बहू को घर में देख सास-ससुर की आंखों में आंसू आ गए। पाक विस्थापितों के हक की लड़ाई लड़ने वाले गणेश बिजाणी ने बताया कि अभी रक्षा विजिटर वीजा पर आई हैं, लेकिन जल्द ही उनके लिए 'लॉन्ग टर्म वीजा' (LTV) की प्रक्रिया शुरू की जाएगी ताकि वे स्थाई रूप से भारत में रह सकें।

दैनिक ठाणे, मंगलवार 21 अप्रैल, 2026
हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

अजीत कुमार ने बेल्जियम में लहराया भारत का झंडा

साउथ के सुपरस्टार अजीत कुमार केवल फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि एफ1 रेसिंग के लिए भी चर्चाओं में रहते हैं। वे रेसिंग के लिए काफी समर्पित नजर आते हैं। अब उन्होंने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसके बाद से ही एक्टर की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है।

कार रेस में हासिल किया पोडियम फिनिश

हाल ही में बेल्जियम के मशहूर सर्किट दे स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स में आयोजित एक इंटरनेशनल कार रेस में अजीत कुमार और उनकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम फिनिश हासिल किया। उनकी टीम टॉप पोजीशन्स में रही, जो किसी भी रेसर के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। इस जीत के बाद अजीत कुमार ने भारतीय झंडा लहराकर जश्न मनाया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि अजीत कुमार की टीम लगातार इंटरनेशनल लेवल पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इससे पहले भी उनकी टीम दुबई और इटली में हुई रेस में शानदार प्रदर्शन कर चुकी है।

काफी वक्त से मोटरस्पोर्ट्स में एक्टिव हैं अजीत

एक्टर होने के साथ-साथ अजीत एक पैशनेट रेसर भी हैं और काफी वक्त से मोटरस्पोर्ट्स में एक्टिव हैं। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई और हर कोई इसे भारत के लिए गर्व का पल बता रहा है। कुल मिलाकर, अजीत कुमार ने एक बार फिर दिखा दिया कि मेहनत और जुनून से किसी भी फील्ड में सफलता हासिल की जा सकती है।

'कारा' का ट्रेलर हुआ जारी

साउथ के मशहूर अभिनेता धनुष की अपकमिंग फिल्म 'कारा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें संकट के दौर पर आधारित एक एक्शन ड्रामा की झलक देखने को मिली है। ट्रेलर में धनुष एक बैंक लुटेरे की भूमिका में नजर आए हैं। आइए जानते हैं ट्रेलर में क्या खास है?

ट्रेलर में क्या है खास?

1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़े असर और गंभीर ईंधन संकट की कहानी बयां करती है। 2 मिनट 28 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत अखबारों की उन सुर्खियों से होती है, जिनमें युद्ध की घटनाओं का जिक्र है। इसमें संकट के समय भारत के नागरिकों के बीच फैली अशांति को दिखाया गया है।

चोर-पुलिस का खेल

ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धनुष कई बैंक लूटते हैं। जब धनुष अपनी लगातार चोरियों से बैंकों में कोहराम मचा देते हैं, तो सूरज वेंजारामूडु उन्हें पकड़ने का फैसला करते हैं और फिर शुरू होता है चोर-पुलिस का रोमांचक खेल।

ट्रेलर में दिखा भावनात्मक पहलू

पुलिस और लुटेरे के बीच होने वाली इस रोमांचक दौड़ के अलावा, ट्रेलर में फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी दिखाया गया है। एक दृश्य में ममिता बैजू, धनुष से उनकी चोरियों के बारे में सवाल करती हुई नजर आती हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

विग्नेश राजा 'कारा' का निर्देशन कर रहे हैं। यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है। धनुष के अलावा, इस फिल्म में ममिता बैजू, के.एस. रविकुमार, जयराम, पृथ्वी पांडियाराजन, सूरज वेंजारामूडु, एम.एस. भास्कर और श्रीजा रवि जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'आखिरी सवाल' का पोस्टर आउट

निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त द्वारा निर्मित 'आखिरी सवाल' में कलाकारों की एक दमदार फौज नजर आने वाली है, जिसमें संजय दत्त के साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा शामिल हैं। नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

■ संजय दत्त स्टारर 'आखिरी सवाल' 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है। जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, इसे लेकर काफी चर्चा है और हाल ही में आए इसके टीजर ने एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म की एक झलक ही काफी दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली है, जिसे देखकर लगता है कि यह असली घटनाओं से प्रेरित है और कुछ सबसे विवादित और चर्चा में रहने वाले विषयों को दिखाती है।

■ अब, फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने एक बहुत ही पावरफुल पोस्टर शेयर किया है। इस इंटेंस पोस्टर में संजय दत्त सबसे आगे बैठे नजर आ रहे हैं और उनके पीछे लोगों से भरा एक कमरा दिख रहा है, जो उनके दबदबे और फिल्म के रहस्य को दर्शाता है। पोस्टर की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि वह एक किताब के ठीक सामने बैठे हैं जिस पर "RSS – An Antinational Organisation" लिखा है। यह साफ तौर पर फिल्म की निडर कहानी और संजय दत्त के जटिल व ताकतवर किरदार की ओर इशारा करता है। यह विजुअल एक बहुत ही गंभीर माहौल बनाता है, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म कई परतों वाली कहानी और विवादित मुद्दों को गहराई से छूने वाली है।

■ हाल ही में रिलीज हुए टीजर से पता चलता है कि यह फिल्म भारत के इतिहास के कुछ सबसे बड़े मोड़ों को गहराई से दिखाएगी, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर लगा बैन, बाबरी मस्जिद विध्वंस और महात्मा गांधी की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में से एक के सफर को एक ऐसे नजरिए से दिखाती है जो पहले कभी नहीं देखा गया। कई गंभीर सवाल उठाते हुए, फिल्म का मकसद पुरानी कहानियों को चुनौती देना और दर्शकों को पर्दे पर गहरी सच्चाइयों के करीब लाना है।

■ 'आखिरी सवाल' का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से खेलने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

आईपीएल 2026 में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने तबाही मचाई हुई है, मगर क्या आप जानते हैं कि सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में वह अब दूसरे पायदान पर खिसक गए हैं।

प्रियांश आर्य बन गए नंबर-1

पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 37 गेंदों पर 251.35 के स्ट्राइक रेट के साथ 93 रनों की धुआंधार पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के लगाए थे। इस पारी के बाद आईपीएल 2026 में उनका स्ट्राइक रेट सबसे अधिक 248.24 का हो चुका है। उन्होंने इस स्ट्राइक रेट से इस सीजन 211 रन बनाए हैं।

वैभव सूर्यवंशी दूसरे पायदान पर

वैभव सूर्यवंशी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 164.29 के स्ट्राइक रेट से 46 रनों की पारी खेली, इस पारी में उन्होंने 28 गेंदें ली। यह उनके छोटे से आईपीएल करियर की सबसे धीमी पारी है। जी हां, इस पारी के बाद उनके ऑलओवर स्ट्राइक रेट में भी कमी आई है। वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल 2026 में 6 मैचों के बाद स्ट्राइक रेट 236.54 का हो गया है। वह अब टॉप-5 बल्लेबाजों में दूसरे पायदान पर हैं।

अभिषेक शर्मा तीसरे नंबर पर

सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जिन्होंने आईपीएल 2026 में अभी तक 188 रन बनाए हैं, उनका स्ट्राइक रेट 229.27 का है। वह लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

रजत पाटीदार भी टॉप-5 में

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार आईपीएल 2026 में गजब की फॉर्म में हैं। वह इस साल स्पिनर्स के साथ-साथ तेज गेंदबाजों की भी जमकर कुटाई कर रहे हैं। पाटीदार ने सीजन-19 में 212.96 के स्ट्राइक रेट के साथ 230 रन बनाए हैं। वह लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं।

टॉप-5 में टिम डेविड एकमात्र विदेशी खिलाड़ी

आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में आरसीबी के टिम डेविड एकमात्र विदेशी खिलाड़ी हैं। डेविड का स्ट्राइक रेट भी आईपीएल 2026 में 200 से अधिक रहा है। उन्होंने अभी तक 6 मैचों में 203.53 के स्ट्राइक रेट के साथ 173 रन बनाए हैं।

जीत की हैट्रिक पर होगी हैदराबाद की नजर

■ दिल्ली कैपिटल्स के भी हौसले बुलंद

पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को हैदराबाद में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दोनों टीम के अभी 6-6 अंक है लेकिन सनराइजर्स का नेट रन रेट बेहतर है और इसलिए वह चौथे स्थान पर काबिज है। एसआरएच जहां जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी, वही पिछले मैच में जीत से उत्साहित दिल्ली कैपिटल्स के हौसले भी बुलंद होंगे। कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में सनराइजर्स की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही थी लेकिन उसने धीरे-धीरे इसमें सुधार कर लिया है। कमिंस भी टीम से जुड़ गए हैं लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स के युवा गेंदबाजों ने किया प्रभावित

सनराइजर्स की तरफ से पिछले दो मैच में अपेक्षाकृत कम चर्चित खिलाड़ियों प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार ने मौकों का पूरा फायदा उठाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हिंगे के शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ ईशान मलिंगा की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उसकी टीम जीत हासिल करने में सफल रही। बल्लेबाजी सनराइजर्स का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पिछले कुछ मैच में उसके प्रमुख बल्लेबाज जैसे ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए हैं। बल्लेबाजी में उसका दारोमदार शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर है लेकिन इनके नहीं चल पाने पर उसके मध्यक्रम पर दबाव बढ़ जाता है। विशेषकर हेनरिक क्लासेन को सारी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। मध्यक्रम में उसके अन्य बल्लेबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए हैं, लेकिन टीम को उनसे और अधिक योगदान की जरूरत है। पहले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले समीर रिजवी पिछले तीन मैच में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाए जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली की गेंदबाजी में हालांकि विविधता है और पिछले साल टीम की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति के बावजूद उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने किफायती गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता का बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है। उन्होंने अब तक पांच मैचों में सात विकेट लिए हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी किफायती गेंदबाजी की है लेकिन बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव अभी तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं, जबकि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और टी नटराजन ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी.

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज

'पति पत्नी और वो दो' के मेकर्स टी-सीरीज और बी आर स्टूडियोज ने अपनी बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा का टीजर जारी कर दिया है। टीजर में हंसी, कन्फ्यूजन और भरपूर हंगामे की झलक साफ नजर आती है। 'पति पत्नी और वो दो' की क्लासिक कहानी को एक नए अंदाज में पेश करते हुए, 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर दर्शकों को 'पतियों' की दुनिया यानी 'पतिवर्स' में फिर से ले जाता है। कहानी में नया ट्विस्ट जोड़ा गया है। आयुष्मान खुराना, प्रजापति पांडे के किरदार में नजर आते हैं, जो अपनी जिंदगी में मची उथल-पुथल से जूझते दिखते हैं। हालात तब और बिगड़ जाते हैं तीन महिलाओं के बीच फंस जाते हैं, जिनके किरदार में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी। बढ़ती गलतफहमियों के बीच जब मामला पूरी तरह उलझ जाता है, तब विजय राज एक पुलिस अधिकारी के रूप में एंट्री लेते हैं और कहानी में और भी मजेदार मोड़ आ जाता है। गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज प्रस्तुत, टी-सीरीज फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज के बैनर तले बनी 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है।

श्री बाबा नीब करौरी महाराज फिल्म में शांति और विश्वास का संदेश

श्री बाबा नीब करौरी महाराज फिल्म आध्यात्मिक जीवन और साधना की मिसाल रहे नीब करौरी बाबा की जीवनी पर आधारित फिल्म 'श्री बाबा नीब करौरी महाराज' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें सुबोध भावे को एक साधारण सफेद कपड़े में बाबा के रूप में दिखाया गया है। यह कहानी न केवल बाबा के जीवन के अहम पहलुओं को दर्शाती है, बल्कि उनके उपदेशों और जीवन के सरल सिद्धांतों को भी सामने लाती है।

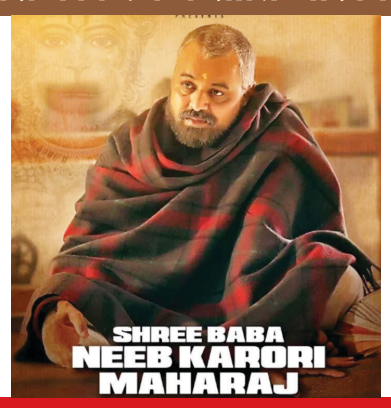

किरदार ही अभिनेता को चुनता है : सुबोध भावे

सुबोध भावे ने इस फिल्म में बाबा का किरदार निभाया है और उन्होंने हाल ही में इस बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि कोई अभिनेता एक संत का किरदार चुनता है, यह किरदार ही अभिनेता को चुनता है। मेरी स्थिति में, मुझे सच में लगता है कि बाबा ने मुझे इस भूमिका के लिए चुना।

'लॉरेंस ऑफ पंजाब' का ट्रेलर रिलीज

डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' लॉरेंस बिश्नोई की अपराध और उसकी जिंदगी को दिखाती है। क्यों इस तरह के गैंगस्टर प्रदेश में पनपते हैं, इसकी पड़ताल डॉक्यू-सीरीज करती है। इस डॉक्यू-सीरीज में जाने-माने पंजाबी सिंगर भी अपना नजरिया बयां करते हैं।

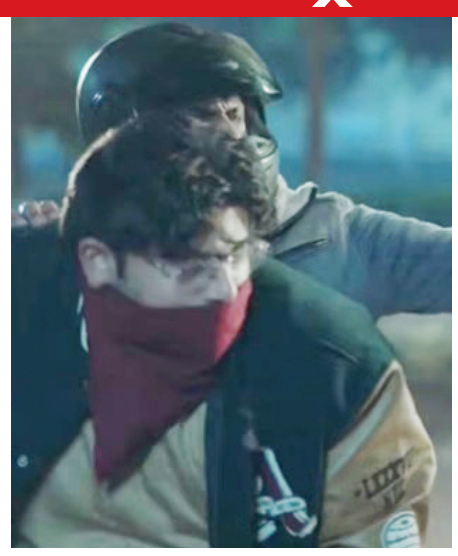

ट्रेलर में दिखी लॉरेंस की जिंदगी की झलक

डॉक्यू-सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' का ट्रेलर काफी दिलचस्प है। इसमें जानने की कोशिश की गई है कि कौन सी बातें युवा लड़कों को गैंगस्टर बनाती हैं। इनका मकसद क्या है? और इनके बढ़ते अपराधों से प्रदेश की हालत क्या हो चुकी है। इन्हीं सवालों के ईद-गिर्द यह डॉक्यू-सीरीज बनी है।

क्या था डॉक्यू-सीरीज को लेकर डायरेक्टर का विजन?

डायरेक्टर राघव डार ने अपनी डॉक्यू-सीरीज के बारे में कहा कि हमने 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को हमेशा सिर्फ एक क्राइम स्टोरी से कहीं ज्यादा कुछ बनाने के बारे में सोचा था। इस सीरीज के जरिए हमने एक ऐसी कहानी पेश करने की कोशिश की है जो जानकारी देने वाली भी है। साथ ही इंसानी भावनाओं से भी गहराई से जुड़ी है।

कब रिलीज होगी यह डॉक्यू-सीरीज?

रिवरलैंड एंटरटेनमेंट द्वारा प्रोड्यूस और राघव डार द्वारा डायरेक्ट की गई यह सीरीज 27 अप्रैल को जी5 पर प्रीमियर होगी। इस सीरीज में कई नामी सिंगर्स भी पंजाब की मौजूदा स्थिति और लॉरेंस जैसे अपराधियों को लेकर बात करते दिखेंगे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित।
दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक :** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक :** शिवप्रताप